INS ACCREDITED
यूनिकॉम एडवरटाइजिंग
unicomadvertising.com

प्रेरणास्रोत पूज्यनीय राजनलाल गौतम जी

यूनिक समय

डीएवीपी द्वारा मान्यता प्राप्त
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026—28

Sweety BY MR GROUP Presents
Unique Samay Update
uniquesamay.com

वर्ष-4 | अंक-92 | सांध्य दैनिक | मथुरा, शुक्रवार, 29 मई 2026 | पेज-12 | 5 रुपया | www.facebook.com/uniquesamay | X.com/Theuniquesamay | www.linkedin.com/in/uniquesamay

मौसम दे गया बिजली विभाग को झटका, समूचे जिले की चरमराई विद्युत व्यवस्था

तूफान में उड़ गई बिजली व्यवस्था

500 बिजली खंभे गिरे, 15 ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त

राया क्षेत्र के गांव गोसना स्थित प्राथमिक विद्यालय के बाहर टूटे बिजली खंभे और पेड़।

महावन में टूटे बिजली खंभे और पेड़।

राया में निर्माणाधीन की दीवार गिरी।

बिजली विभाग नुकसान के आंकलन में जुटा

सप्लाई बाधित रहने से लोग तरसे पानी को इन्वर्टर भी छोड़ गए साथ

यूनिक समय, मथुरा। मौसम में बदलाव का असर बिजली विभाग को बड़ी चोट दे गया। गुरुवार रात आए तेज तूफान से जिले में करीब पांच सौ खंभे उखड़ गए, जबकि 15 ट्रांसफार्मर क्षतिग्रस्त हो गई। रात से बिगड़ी बिजली व्यवस्था दूसरे दिन तक सुचारू नहीं हो सकी है। कर्मचारी तूफान से बिगड़ी व्यवस्था को पटरी पर लाने को जुटे है। तूफान की वजह से सैंकड़ों पेड़ भी उखड़ गए। काफी होर्डिंग्स भी टूट गए। बिजली विभाग के अधिकारी नुकसान का आंकलन कराने में जुटे हैं।

बीते दिन से ही मौसम खराब होने लगा था। शाम को आसमान में बादलों ने डेरा जमाया तो बूंदाबांदी शुरू हो गई। रात करीब नौ बजे के बाद मौसम और खराब होने लगा। तेज बयार ने आकाशीय गर्जना के साथ तूफान का रूप लिया तो समूचे जिले की बिजली सप्लाई ठप हो गई। तेज तूफान की वजह से काफी स्थानों पर बिजली के खंभे उखड़ गए, जबकि तार टूटकर गिर गए। ऐसे तूफान से ट्रांसफार्मर भी क्षतिग्रस्त हो गए। बिजली सप्लाई बाधित होने से लोग अकुला गए। काफी स्थानों पर पूरी रात सप्लाई सुचारू नहीं हो सकी, जिससे लोग पानी को तरस गए। बिजली नहीं मिलने से इन्वर्टर भी शोपीस बन गए। सबसे ज्यादा ग्रामीण क्षेत्रों में हुई, जहां दिन में भी सप्लाई नहीं मिल सकी।

तूफान ने मांट क्षेत्र में जमकर तबाही मचाई। एक दर्जन से अधिक विद्युत पोल टूट गए, पूरे इलाके की विद्युत व्यवस्था चरमरा गई। मांट–नौहझील रोड पर 11 हजार की लाइन के करीब 10 पोल टूट गए। श्रीराम मार्केट के पास स्थित जूनियर हाई स्कूल में लगा यूकेलिप्टस का विशाल पेड़ टूटकर विद्युत पोलों पर गिर पड़ा। पेड़ गिरने से वृंदावन रोड पर 33 हजार लाइन के पांच खंभे भी क्षतिग्रस्त हो गए। इससे मांट और आसपास के क्षेत्रों की बिजली आपूर्ति पूरी तरह ठप हो गई। अवर अभियंता अरविंद कुमार ने बताया कि तूफान से 30 बिजली के पोल टूट गए। कर्मचारी दुरस्त करने में लगे हैं। गोवर्धन क्षेत्र में तूफान और मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया। कई स्थानों पर पेड़ और बिजली के खंभे उखड़ गए। गोवर्धन–सौंख रोड स्थित पेठा पेट्रोल पंप के पास मार्ग से गुजर रही एक कार पर अचानक विशाल पेड़ टूटकर गिर पड़ा। पेड़ गिरने से कार क्षतिग्रस्त हो गई, लेकिन राहत की बात यह रही कि वाहन में सवार लोगों को कोई गंभीर चोट नहीं आई। सड़क पर गिरे पेड़ और मलबे को हटाने के लिए क्रेन और कटर मशीनों की मदद ली गई। राया के गोसना स्थित प्राथमिक विद्यालय में दो विद्युत खंबे, दो पेड़ पानी की टंकी और चारदीवारी टूट गई जिससे विद्यालय में काफी नुकसान हुआ। प्रधानाध्यापक गोवर्धन दास गुप्ता ने बताया कि तूफान से विद्यालय में काफी नुकसान हुआ है। विद्युत विभाग के मुख्य अभियंता राजीव गर्ग ने बताया कि गुरुवार आए तूफान की वजह से करीब पांच सौ खंभे टूट गए हैं, जबकि 15 ट्रांसफारमर भी क्षतिग्रस्त हो गए है।

कई क्षेत्रों में सप्लाई शुरू करा दी है, कुछ में सप्लाई शूरू कराने को टीम लगातार जुटी है। नुकसान का आंकलन कराया जा रहा है।

राया में निर्माणाधीन मकान की दीवाल गिरी, तीन घायल

यूनिक समय, राया। तेज आंधी से सोनई के तेहरा महावन में तेज आंधी के दौरान निर्माधीन मकान की दीवाल पड़ोसी सतीश के मकान पर पड़ी सीमेंट की चादर पर गिर गई, जिससे चादर के नीचे सो रहे परिवार के शिवा, चंचल, अंकित दबकर घायल हो गए। चीख- पुकार मचने से पर पड़ोसी घटनास्थल की तरफ दौड़े और घायलों को अस्पताल में भर्ती कराया।

उड़कर आई टीन, मजदूर की मौत

यूनिक समय, मथुरा। थाना जमुनापार क्षेत्र के गांव गोसना में तेज आंधी–तूफान के दौरान एक मजदूर की मौत हो गई। 55 वर्षीय ओमप्रकाश गुरुवार रात अपने घर की छत पर सो रहे थे। इसी दौरान तेज आंधी से पड़ोसी के मकान की लोहे की टीन उड़कर उनकी छत पर आ गिरी, जिससे वह गंभीर घायल हो गए। आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंचे और उन्हें तुरंत अस्पताल ले गए, लेकिन डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। परिवार में पत्नी और एक बच्चा है। प्रशासन दैवीय आपदा राहत प्रक्रिया में जुटा है।

परिक्रमार्थियों के थम गए कदम

यूनिक समय, राया। तेज आंधी के दौरान ब्रज चौरासी कोस की परिक्रमा कर रहे परिक्रमार्थी सुरक्षित स्थान की तरफ दौड़ पड़े। कई स्थानों पर परिक्रमार्थीयों के लिए लगाए पांडाल तेज आंधी से उखड़कर गिर गए। आंधी के दौरान 33 केवी लाइन पर पेड़ गिरने से ब्रेकडाउन हो गया। एसडीओ देवेंद्र तिवारी जेई सतेंद्र यादव, कर्मचारियों ने लाइन सुधारकर प्रातः तीन बजे विद्युत आपूर्ति सुचारू करवाई।

नैनो प्लास्टिक बढ़ा रहा अवसाद और दिमागी खतरा

हैप्पी हार्मोन पर पड़ रहा बुरा असर

यूनिक समय, मथुरा। लखनऊ स्थित केंद्रीय औषधीय एवं सगंध पौध संस्थान (सीमैप) के एक नए अध्ययन में चौंकाने वाला खुलासा हुआ है। वैज्ञानिकों के अनुसार, प्लास्टिक के सूक्ष्म और नैनो कण अब केवल पर्यावरण ही नहीं, बल्कि इंसानी दिमाग और मानसिक स्वास्थ्य के लिए भी गंभीर खतरा बनते जा रहे हैं। शोध में पाया गया कि ये कण शरीर में पहुंचकर "हैप्पी हार्मोन" कहे जाने वाले डोपामिन के स्तर को प्रभावित कर रहे हैं, जिससे लोगों में उदासी, तनाव और अवसाद जैसी समस्याएं बढ़ सकती हैं।

हल्दी–तुलसी से मिल सकती है सुरक्षा

वैज्ञानिकों ने बताया कि माइक्रोप्लास्टिक और नैनो प्लास्टिक के बेहद छोटे कण पानी, भोजन और रक्त के जरिए शरीर में प्रवेश कर मस्तिष्क तक पहुंच रहे हैं। अध्ययन के दौरान ड्रोसोफिला जीव पर शोध किया गया, जिसमें पाया गया कि ये कण मस्तिष्क कोशिकाओं के ऊर्जा केंद्र माइटोकॉन्ड्रिया को नुकसान पहुंचाते हैं। इससे शरीर में ऑक्सीडेटिव तनाव बढ़ता है और डोपामिन जैसे जरूरी न्यूरोट्रांसमीटर का स्तर कम होने लगता है। यही बदलाव आगे चलकर अवसाद, मानसिक विकार और पार्किंसन जैसी न्यूरोडीजेनरेटिव बीमारियों का खतरा बढ़ा सकते हैं।

शोध में यह भी सामने आया कि हल्दी, तुलसी, ग्रीन–टी और ताजे फलों में मौजूद पॉलीफेनॉल नामक प्राकृतिक तत्व इस खतरे से बचाने में मददगार साबित हो सकते हैं। वैज्ञानिकों के मुताबिक, ये शक्तिशाली एंटीऑक्सीडेंट की तरह काम करते हैं और शरीर में बनने वाले हानिकारक फ्री रेडिकल्स को कम कर दिमाग को सुरक्षा प्रदान करते हैं। यह अध्ययन अंतरराष्ट्रीय जर्नल में प्रकाशित हुआ है। विशेषज्ञों का मानना है कि भविष्य में यह रिसर्च प्लास्टिक प्रदूषण और दिमागी बीमारियों के बीच संबंध को समझने में अहम भूमिका निभाएगी। वैज्ञानिकों ने लोगों से प्लास्टिक के उपयोग को कम करने और प्राकृतिक खाद्य पदार्थों को अपनाने की सलाह दी है।

बांके बिहारी मंदिर में उमड़ा आस्था का सैलाब

प्रमुख संवाददाता

यूनिक समय, वृंदावन। बांके बिहारी मंदिर में शक्रवार को गर्मी के बावजूद श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह मंगला आरती से लेकर देर शाम तक मंदिर परिसर और आसपास की गलियां राधे–राधे के जयघोष से गूंजती रहीं। उमस के कारण श्रद्धालुओं को भारी परेशानियों का सामना करना पड़ा, लेकिन ठाकुर जी के दर्शन की आस्था के आगे गर्मी भी फीकी पड़ गई।

सुबह से ही मंदिर के बाहर लंबी कतारें लगनी शुरू हो गई थीं। देश के विभिन्न राज्यों से आए श्रद्धालु घंटों लाइन में खड़े होकर अपने आराध्य के दर्शन का इंतजार करते दिखाई दिए। दोपहर होते–होते हालात और कठिन हो गए। छोटे बच्चों और बुजुर्गों को सबसे अधिक दिक्कतों का सामना करना पड़ा। वृंदावन की संकरी गलियां श्रद्धालुओं से पूरी तरह भर गईं। मंदिर के आसपास दुकानों, आश्रमों और धर्मशालाओं में भी भारी भीड़ देखने को मिली। जगह–जगह श्रद्धालु पानी, शरबत और ठंडे पेय पदार्थों का सहारा लेते नजर आए। कई सामाजिक संगठनों द्वारा राहगीरों के लिए शीतल जल और छबील की व्यवस्था भी की गई, जिससे लोगों को कुछ राहत मिली।

मंदिर प्रशासन द्वारा भीड़ नियंत्रण के लिए बैरिकेडिंग, सुरक्षा कर्मियों और स्वयंसेवकों की अतिरिक्त तैनाती की गई थी। पुलिस प्रशासन लगातार लाउडस्पीकर के माध्यम से श्रद्धालुओं से धैर्य बनाए रखने और सावधानी बरतने की अपील करता रहा। बावजूद इसके, मंदिर मार्ग पर कई बार धक्का–मुक्की जैसी स्थिति भी बनी रही।

गर्मी का असर केवल श्रद्धालुओं पर ही नहीं, बल्कि स्थानीय व्यापार पर भी दिखाई दिया। फूल–माला, प्रसाद, ठंडे पेय और धार्मिक वस्तुओं की दुकानों पर दिनभर अच्छी बिक्री रही। होटल, गेस्ट हाउस और ई–रिक्शा संचालकों को भी भीड़ का लाभ मिला। वृंदावन का पूरा वातावरण धार्मिक उत्साह और आस्था से सराबोर दिखाई दिया। श्रद्धालुओं का कहना था कि चाहे कितनी भी गर्मी क्यों न हो, ठाकुर बांके बिहारी के दर्शन का आनंद हर कठिनाई को भुला देता है। कई भक्त माथे पर गीला कपड़ा रखकर और हाथों में पानी की बोतल लेकर घंटों कतार में खड़े रहे। मंदिर में दर्शन के दौरान भक्तों की आंखों में भक्ति और चेहरे पर संतोष साफ झलकता दिखाई दिया।

परिक्रमा में श्रद्धालुओं के लिए लगाई शर्बत की प्याऊ

यूनिक समय, मथुरा। राष्ट्रीय मदद परिवार के संयोजन में जंक्शन गेट के बाहर नौतपा और ब्रज चौरासी कोस परिक्रमा के श्रद्धालुओं और यात्रियों के लिए ठंडे पानी और शरबत की प्याऊ लगाई गई। रविंद्र सिंह भाटी ने कहा कि गर्मियों में सबसे बड़ा पुण्य प्यासे लोगों को पानी पिलाना होता है। इस मौके पर नीरज तोमर,सुरेंद्र जांगिड़,रविंद्र जादौन,लोकेश सैनी,सुरेंद्र राणा, विष्णु बघेल,अनिल गुप्ता,भागीरथ गुर्जर,अवधेश पांडे,रामवीर सैनी,राम खिलाड़ी मीणा, अरविंद कुमार, एमके शर्मा,गौरव शर्मा,हंसराज मीणा,प्रदीप शर्मा, बबीता,रंजीत परमार,अरुण सिंह तोमर आदि का सहयोग रहा।

राधा वैली के सामने ट्रक पुल के नीचे गिरा, चालक घायल

राधा वैली के सामने अनियंत्रित होकर पुल से गिरा ट्रक।

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र में राधा वैली के सामने गुरु कृपा वाटिका के पास गुरुवार को उस समय अफरा–तफरी मच गई, जब चीनी से भरा एक ट्रक अचानक अनियंत्रित होकर पुल के नीचे जा गिरा। हादसे की आवाज सुनकर आसपास के लोग मौके पर पहुंच गए। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रक तेज रफ्तार में जा रहा था। इसी दौरान चालक वाहन से नियंत्रण खो बैठा, जिससे ट्रक सड़क किनारे पुल के नीचे जा गिरा। दुर्घटना इतनी भीषण थी कि ट्रक का अगला हिस्सा बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुचंकर काफी मशक्कत के बाद घायल चालक को ट्रक से बाहर निकाला गया और उपचार के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया गया।

रात को आकाशीय गर्जना ने डराया, हो गई वर्षा

सुबह बूंदाबादी, दिन में खिली धूप

अधिकतम तापमान में आई आठ डिग्री सेल्सियस की कमी

गुरुवार रात आसमान में चमकती आकाशीय बिजली।

यूनिक समय, मथुरा। मौसम विभाग का पूर्वानुमान सटीक निकला। गुरुवार रात आकाशीय गर्जना से लोग सहमे रहे, जबकि बूंदाबांदी और वर्षा से मौसम खुशगवार हो गया। शुक्रवार सुबह आसमान पर छाए काले बादलों के साथ बूंदाबांदी हुई, जबकि दिन में धूप खिली रही। मौसम के ऐसे हाल से अधिकतम तापमान भी आठ डिग्री सेल्सियस नीचे आ गया तो लोगों को बड़ी राहत मिली।

मौसम विभाग ने बीते रोज गुरुवार को कई बार अलर्ट जारी किया था, जिले में 60 से 80 किमी. प्रति घंटे की गति से बयार चलने और आकाशीय गर्जना के साथ बूंदाबांदी होने का पूर्वानुमान जारी किया। इस अलर्ट के कुछ देर बाद मौसम खराब हुआ तो तेज गति से बयार चलने लगी। आकाशीय गर्जना के साथ बिजली भी लपलपाती दिखी, जिससे हर कोई सहमा रहा। इस दौरान हुई बूंदाबांदी से मौसम शीतल हो गया। आज सुबह भी मौसम बदला हुआ था। आसमान पर काले बादलों के डेरा जमाने के बाद कहीं बूंदाबांदी हो गई। इसके बाद दिन चढ़ा तो मौसम साफ हो गया और धूप निकल आई।

मौसम विज्ञानी नरेंद्र कुमार के अनुसार, ऐसे मौसम की वजह से तापमान में काफी कमी आई है। अधिकतम तापमान 43 डिग्री सेल्सियस से कम होकर 35 डिग्री सेल्सियस पर आ गया, जबकि न्यूनतम तापमान 31 डिग्री सेल्सियस से गिरकर 23 डिग्री सेल्सियस पर आया है। उन्होंने बताया कि एक जून तक ऐसा मौसम बना रह सकता है।

वर्षा दे गई जाम की सौगात

शुक्रवार शाम को हुई वर्षा से शहर अस्त–व्यस्त हो गया, जल भराव होने से लोग परेशान दिखे। सर्विस रोड पर पानी भरने से जाम लगता रहा। शहर के कई इलाकों में बिजली गुल हो गई।

तापमान / मौसम

35 डिग्री सेल्सियस
अधिकतम

23 डिग्री सेल्सियस
न्यूनतम

सोना–चांदी भाव

सोना
24 कैरेट 1,59,500
22 कैरेट 1,46,250
(रेट प्रति 10 ग्राम में, जीएसटी समेत)

चांदी
2,85,000 प्रति किलो

यूनिक समय

स्वामी पवन गौतम के लिए राजकुमार गौतम द्वारा दैनिक यूनिक समय, 6 शंकर विहार, कृष्णा नगर मथुरा 281004 से प्रकाशित एवं बालाजी ऑफसेट प्रिंटिंग प्रेस कृष्णा नगर, मथुरा से मुद्रित।

कार्यालयः– यूनिक बिल्डिंग, 289-290 डायबिल नगर, कृष्णा नगर चौक, मथुरा।

संपादक–पवन गौतम

फोन नंबर–0565–2420150,
मो. 9837155888

E-mail : uniquesamaynews@gmail.com
website : uniquesamay.com
RNI-UPHIN/2023/85053
DAVP-: 134220
डाक पंजीकृत संख्या मथुरा 071/2026–28
सभी विवादों का न्यायालय स्थान मथुरा होगा।

पुलिस ने वीडियो को किया था नजर अंदाज

महोली के वर्चस्व की भेंट चढ़ गए थानेदार

बुधवार को एक पक्ष ने लहराए थे हथियार

बाहरी लड़कों ने चलाई थीं गुरुवार को गोलियां

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाइवे के गांव महोली में गुरुवार को हुई दो गुटों की वर्चस्व की जंग में थानेदार भेंट चढ़ गए। चौकी प्रभारी और बीट सिपाही को भी खामियाजा भुगतना पड़ा। बुधवार को हथियार लहराने की वारदात पर पर्दा डालना ही थानेदार को भारी पड़ा। एसएसपी श्लोक कुमार ने थानेदार समेत तीन पुलिसकर्मियों को इस गंभीर प्रकरण में सुलटा दिया। पुलिस महकमे में यह कार्रवाई चर्चा का विषय बनी हुई है।

बीते दिन गुरुवार को गांव महोली में भंडारे के नाम पर विवाद और आधे घंटे तक हुई फायरिंग तो कई महीनों से सुलग रही चिंगारी का एक नमूना भर थी। पूर्व में भी इन दोनों पक्षों में फायरिंग होने की बात बताई जा रही है। गुरुवार को अधिक मास परिक्रमा के भंडारे को लेकर चंद्रपाल पक्ष और गुड्डी प्रधान पार्षद के बीच विवाद हुआ था। मामला इतना बढ़ गया कि दोनों ओर से करीब 20 से 25 मिनट फायरिंग शुरू हो गई।

जानकारों ने बताया कि महोली के पार्षद राजवीर उर्फ गुड्डी और चंद्रपाल के बीच काफी समय से विवाद है। करीब छह माह पहले भी विवाद हुआ था, जिसे ग्रामीणों ने शांत करा दिया, लेकिन पुरानी रंजिश खत्म नहीं हुई। बुधवार को गांव में बाइक निकालने को लेकर दोनों पक्षों के बीच कहासुनी हुई, ईंट-पत्थर चले।

करीब आधे घंटे तक चले इस बवाल में पुलिस ने दोनों पक्षों को समझाकर मामला शांत कर दिया। बताते हैं कि इस दौरान एक गुट की ओर से अवैध हथियार लहराए गए, जिसका वीडियो थानेदार तक पहुंचा, लेकिन मामले पर पर्दा डालने से गुरुवार का विवाद सामने आया। इस पर एसएसपी श्लोक कुमार ने थाना हाइवे के प्रभारी शैलेंद्र कुमार को लाइन हाजिर करके चौकी औद्योगिक क्षेत्र के प्रभारी और बीट प्रभारी आरक्षी आदर्श कुमार को शुरूआती जांच में लापरवाह मानकर निलंबित कर दिया। थाना हाइवे की जिम्मेदारी अब प्रशांत कपिल को मिली है।

नरहौली का विवाद भी बना वजह

थाना हाइवे के थानेदार को लाइन हाजिर करने के पीछे केवल महोली की वर्चस्व से जुड़ी जंग ही कार्रवाई की वजह बनीं, बल्कि गांव नरहौली में दलित बरात में हुआ बवाल भी इसका कारण बना। वहीं, महोली में चर्चा है कि गुरुवार को हुई फायरिंग में बाहरी लड़कों का भी हाथ है। कई बाहर के लड़के गांव में एक पक्ष के यहां शरण लिए थे।

महोली प्रकरण में नौ आरोपी गिरफ्तार

पुलिस हिरासत में महोली बवाल के आरोपित।

यूनिक समय, मथुरा। थाना हाईवे क्षेत्र के गांव महोली में दो गुटों के बीच हुई फायरिंग के मामले में पुलिस ने नौ आरोपियों को गिरफ्तार किया है। आरोपियों के कब्जे से घटना में प्रयुक्त दो तमंचे, जिंदा कारतूस, खोखा कारतूस और डंडे बरामद किए गए हैं।

गुरुवार को गांव में हुई फायरिंग को गंभीरता से लेते हुए थाना हाईवे पुलिस ने देर रात राजवीर सिंह, महेश, मनोज, पवन, केदार, लिल्लो, मोहन, महेश

तमंचे, कारतूस और डंडे बरामद

पुत्र रूप सिंह और राजू पुत्र चेतराम निवासी ग्राम महोली को पकड़ा। महेश और राजू के कब्जे से एक-एक तमंचा 315 बोर और दो-दो जिंदा कारतूस बरामद हुए। वहीं लिल्लो से चार जिंदा कारतूस मिले। घटनास्थल से सात खोखा कारतूस 315 बोर, तीन लकड़ी के डंडे भी बरामद किए गए हैं।

बरसाना रोप-वे पर श्रद्धालु से मारपीट, वीडियो वायरल

टिकट विवाद के बाद गार्ड ने की पिटाई

बच्चों के सामने ही पीटा गया पिता को

श्रद्धालु से मारपीट करता गार्ड।

यूनिक समय, मथुरा। टिकट के विवाद में बरसाना स्थित राधारानी रोप-वे परिसर में श्रद्धालु परिवार के साथ निजी सुरक्षाकर्मियों ने मारपीट कर डाली। बच्चों के सामने पिता को पीटा गया। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने के बाद लोग गार्डों को लेकर तमाम कमेंट कर रहे हैं। श्रद्धालु से हुई मारपीट से हड़कंप मच गया।

बरसाना स्थित रोप-वे स्टेशन पर एक परिवार दर्शन के लिए पहुंचा था। चेकिंग के दौरान बच्चे की टिकट फट जाने को लेकर विवाद हो गया, जो देखते ही देखते इतना बढ़ा कि मारपीट हो गई। आरोप है कि इसी विवाद के बाद सुरक्षा गार्ड ने श्रद्धालु पर हमला कर दिया।

इंटरनेट मीडिया पर वायरल वीडियो में दिख रहा है कि कई गार्ड्स एक व्यक्ति को बच्चों के सामने पीट रहे हैं, जबकि बच्चे अपने पिता को बचाने की गुहार लगाते नजर आ रहे हैं। इस घटना के बाद वहां मौजूद अन्य श्रद्धालुओं में भी आक्रोश फैल गया और माहौल तनावपूर्ण हो गया।

घटना की सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने प्रारंभिक जांच में मामला टिकट फटने को लेकर हुए विवाद से जुड़ा बताया है। सीसीटीवी फुटेज और वायरल वीडियो के आधार पर आरोपियों की पहचान की जा रही है।

पुलिस ने आश्वासन दिया है कि श्रद्धालुओं के साथ हिंसक व्यवहार करने वाले सुरक्षा कर्मियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल पूरे मामले की जांच जारी है और स्थानीय लोगों में घटना को लेकर नाराजगी बनी हुई है।

जूडियो मॉल में युवाओं के गुटों में विवाद, मारपीट

वायरल वीडियो में दोनों पक्षों में दिख रही है तनातनी

सत्ता दल के एक प्रतिनिधि लिखी गाड़ी बनी चर्चा

जूडियो माल के कर्मचारी ओर युवकों को ले गई पुलिस

यूनिक समय, मथुरा। गुरुवार रात को शहर स्थित जूडियो माल में दो गुटों में मारपीट हो गई। कहासुनी के बाद हुई जमकर मारपीट में युवकों के कपड़े भी फट गए। पुलिस जूडियो के कर्मचारी और युवकों को थाने ले गई।

शहर स्थित जूडियो माल में देर रात उस समय अफरा-तफरी मच गई, जब दो पक्षों के युवाओं के बीच कहासुनी के बाद जमकर मारपीट हुई। विवाद के दौरान शोरूम परिसर में हंगामे की स्थिति बन गई, जिससे वहां मौजूद ग्राहकों में भी दहशत फैल गई। प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, विवाद के दौरान कुछ युवक एक ऐसी गाड़ी से पहुंचे जिस पर भाजपा का प्रतिनिधि लिखा हुआ था। माल में हुई मारपीट से जुड़ा एक वीडियो इंटरनेट मीडिया पर जमकर वायरल हुआ तो घटना के बाद यह गाड़ी चर्चा का विषय बन गई। सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और स्थिति को नियंत्रित किया। पुलिस ने दोनों पक्षों के युवाओं को हिरासत में लेकर पूछताछ शुरू कर दी है। बताया जा रहा है कि विवाद आपसी कहासुनी को लेकर बढ़ा, जिसके बाद मारपीट शुरू हो गई। वहीं, पुलिस का कहना है कि मामले की निष्पक्ष जांच की जा रही है और किसी भी व्यक्ति को राजनीतिक पहचान के आधार पर राहत नहीं दी जाएगी। घटना के वीडियो भी सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहे हैं, जिनमें युवाओं के बीच धक्का-मुक्की और मारपीट दिखाई दे रही है। वीडियो में एक युवक की टी शर्ट फटी हुई है, जिस पर जूडियो लिखा है। पुलिस वायरल वीडियो की भी जांच कर रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि शोरूम में लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। पूरे मामले में साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। फिलहाल मामले की जांच की जा रही है।

यमुना एक्सप्रेस-वे पर हादसा दो युवक घायल

यूनिक समय, मथुरा। आगरा से नाएडा जाते समय कार डिवाइडर से जा टकराई। हाइसे में दो युवक गंभीर घायल हो गए, जबकि कार बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गई। घायलों को अस्पताल भेजा गया। गुरुवार रात यमुना एक्सप्रेस-वे पर आगरा से नोएडा की ओर जा रही सफेद रंग की कार अचानक अनियंत्रित होकर डिवाइडर की रेलिंग से टकरा गई। हादसे में कार सवार दो युवक गंभीर घायल हो गए, जबकि कार क्षतिग्रस्त हो गई। हादसा रात करीब 10:30 बजे एक्सप्रेस-वे के किलोमीटर संख्या 63 के पास हुआ। सूचना मिलते ही पीवीआर और नौहझील पुलिस मौके पर पहुंची। पुलिस ने घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र नौहझील पहुंचाया, जहां से डॉक्टरों ने प्राथमिक उपचार के बाद दोनों की हालत गंभीर देखते हुए जिला अस्पताल रेफर कर दिया। घायलों की पहचान भिंड जिले के ब्रम्हपुरा थाना गोरकी निवासी रजत और अंकित पुत्र रामनिवास के रूप में हुई है।

छाता के प्राचीन कुएं में मिले मीट के अवशेष

वीडियो वायरल होने से बढ़ा तनाव, लोगों में आक्रोश

यूनिक समय, छाता। कस्बा के सराय शाही मोहल्ले में उस समय तनावपूर्ण स्थिति बन गई, जब एक प्राचीन कुएं में मीट के अवशेष फेंके जाने का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल हो गया। वीडियो सामने आते ही लोगों में आक्रोश फैल गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। लोगों ने धार्मिक भावनाओं से जुड़ा मामला बताते हुए दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की मांग की।

जानकारी पर कोतवाली पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे। पुलिस ने लोगों को समझाकर शांत कराया और अफवाहों पर ध्यान न देने की अपील की। हालात को देखते हुए इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल भी तैनात किया गया। स्थानीय लोगों की शिकायत के बाद प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए कुएं से कथित मीट के अवशेष हटवाए और साफ–सफाई कराई। अधिकारियों का कहना है कि क्षेत्र में शांति, स्वच्छता और सौहार्द बनाए रखना प्रशासन की प्राथमिकता है।

मांस के अवशेष मिलने की जानकारी के बाद मौके पर मौजूद पुलिसकर्मी।

कोतवाली प्रभारी उमेश चंद्र त्रिपाठी ने बताया कि वायरल वीडियो का संज्ञान लेकर जांच शुरू कर दी गई है। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है, वीडियो की तकनीकी जांच भी कराई जा रही है। माहौल खराब करने की कोशिश करने वाले अराजक तत्वों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त वैधानिक कार्रवाई की जाएगी।

लाडली मंदिर में वीआईपी दर्शन को लेकर हंगामा

दरोगा परिवार और सुरक्षाकर्मियों में विवाद

वायरल वीडियो के बाद जांच में जुटी पुलिस

सुरक्षाकर्मियों और दरोगा परिवार में होती मारपीट।

यूनिक समय, मथुरा। बरसाना स्थित राधारानी मंदिर में वीआईपी दर्शन को लेकर विवाद हो गया। मंदिर परिसर में एक दरोगा के पुत्र और सुरक्षाकर्मियों के बीच कहासुनी के बाद धक्का–मुक्की की स्थिति बन गई। घटना का वीडियो इंटरनेट मीडिया पर वायरल होने के बाद मंदिर की सुरक्षा व्यवस्था और वीआईपी व्यवस्था को लेकर सवाल उठने लगे हैं।

दूसरे जनपद में तैनात एक दरोगा अपने परिवार के साथ दर्शन के लिए बरसाना पहुंचे थे। इसी दौरान वीआईपी प्रवेश को लेकर उनकी स्थानीय पुलिसकर्मी और निजी सुरक्षाकर्मियों से बहस हो गई। देखते ही देखते मामला बढ़ गया और मंदिर परिसर में अफरा–तफरी मच गई। वहां मौजूद श्रद्धालु भी इस विवाद से परेशान नजर आए।

बरसाना मंदिर में लाखों श्रद्धालु सामान्य कतार में घंटों इंतजार करते हैं, जबकि विशेष लोगों को अलग प्रवेश मिलने की शिकायतें पहले भी उठती रही हैं। पुलिस प्रशासन ने वायरल वीडियो का संज्ञान लेते हुए जांच शुरू कर दी है। अधिकारियों का कहना है कि जांच के बाद दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी।

मैकडोनाल्ड पर शराबियों ने मचाया हंगामा

यूनिक समय, मथुरा। शराबियों का आतंक अब बढ़ता जा रहा है। इंटरनेट मीडिया पर वायरल एक वीडियो में शराबी युवक मैकडोनाल्ड में उत्पात मचाते दिख रहे हैं। पुलिस ने ऐसी जानकारी से इन्कार किया है।

वायरल वीडियो रिफाइनरी क्षेत्र के आउटलेट मैकडोनाल्ड का बताया जा रहा है, जो दिन दो पुराना बताया जा रहा है। वीडियो में मैकडोनाल्ड आउटलेट पर कुछ युवक आए हैं, बिल भुगतान के समय यूपीआई का सर्वर डाउन होने के कारण ऑनलाइन भुगतान नहीं हो सका, जिसकी वजह से ऑर्डर नहीं लिया गया। इसी बात से नाराज होकर क्षेत्र के ही कुछ शराबी और नशेड़ी युवकों ने स्टाफ से बहस शुरू कर दी।

देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया कि नशेड़ियों ने मैकडोनाल्ड के मैनेजर और स्टाफ की कॉलर पकड़ ली और जमकर गाली–गलौज, अभद्रता की। रिफाइनरी पुलिस का कहना है कि मामला संज्ञान में नहीं है, न अभी तक मैकडोनाल्ड स्टाफ या प्रबंधन की तरफ से कोई लिखित शिकायत नहीं दी गई है। मैकडोनाल्ड स्टाफ की तरफ से कोई तहरीर मिलती है, तो सीसीटीवी फुटेज से आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

ठाकुर द्वारकाधीश के हुए नौका बिहार दर्शन

यूनिक समय,मथुरा। मंदिर ठाकुर द्वारकाधीश के विधि एवं मीडिया प्रभारी राकेश तिवारी एडवोकेट ने बताया कि मंदिर सभी कार्यक्रमों का निर्धारण मंदिर के गोस्वामी डॉ वागीश कुमार महाराज कांकरोली नरेश, तृतीय पीठाधीश्वर द्वारा किया गया है।

इसी के तहत अधिक मास उत्सवों की श्रंखला में आज ठाकुर जी सुबह शयन के दर्शनों में नौका में विराजमान हुए और अपने भक्तों को दर्शन दिए। कल प्रातःकाल पालने में विराजमान होंगे सन्ध्या आरती में पान के हिंडोला में विराज कर दर्शन देंगे। अधिक मास में ठाकुर जी के विशेष मनोरथ आयोजित किए जाएंगे।

पोर्टल का गलत इस्तेमाल करने वालों पर होगी कार्रवाई: बीएसए

यूनिक समय, मथुरा। बेसिक शिक्षा अधिकारी रतन कीर्ति ने विभाग के शिक्षकों और कर्मचारियों को निर्देश जारी किए हैं। कहा है कि सेवा संबंधी मामलों में बिना विभागीय प्रक्रिया अपनाए सीधे आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज करना गलत माना जाएगा। ऐसा करने वाले कर्मचारियों के खिलाफ विभागीय और अनुशासनात्मक कार्रवाई भी की जा सकती है। बीएसए ने बताया कि शासन के निर्देशों के अनुसार सरकारी कर्मचारियों के सेवा संबंधी मामले तब तक जन शिकायत की श्रेणी में नहीं आते, जब तक कर्मचारी विभाग में उपलब्ध सभी विकल्पों का उपयोग न कर लें। इसके बावजूद कई कर्मचारी वेतन, एरियर, चयन वेतनमान, ट्रांसफर, छुट्टी , पेंशन, जीपीएफ, वेतन बहाली, मानव संपदा संशोधन और स्कूलों के आपसी विवाद जैसे मामलों में सीधे आईजीआरएस पोर्टल पर शिकायत दर्ज करा रहे हैं, जबकि विभागीय समस्याओं के समाधान के लिए पहले से ही संबंधित कार्यालय, पटल सहायक, खंड शिक्षा अधिकारी, वित्त एवं लेखा विभाग और बीएसए कार्यालय में व्यवस्था मौजूद है। कर्मचारियों को सबसे पहले अपने विभागीय अधिकारियों के समक्ष प्रार्थना पत्र देकर समस्या के समाधान का प्रयास करना चाहिए। आईजीआरएस पोर्टल आम जनता की शिकायतों के निस्तारण के लिए बनाया गया है, न कि विभागीय कर्मचारियों के नियमित सेवा मामलों के लिए। कुछ मामलों में कर्मचारी स्वयं या अपने रिश्तेदारों के माध्यम से भ्रामक और अनावश्यक शिकायतें दर्ज करा रहे हैं, जिससे विभागीय कार्य प्रभावित हो रहा है।

महिला जिला अस्पताल में हर महीने पहुंच रहीं 1500 से ज्यादा महिलाएं

मासिक धर्म में लापरवाही बन रही गंभीर बीमारी

अनहाइजीन कपड़ों और गलत पैड के इस्तेमाल से बढ़ रहा संक्रमण का खतरा

महिला मरीजों को देखतीं महिला जिला अस्पताल की स्त्री रोग विषेशज्ञ डा.कृष्णा शर्मा।

यूनिक समय, मथुरा। बदलती जीवनशैली, जागरूकता की कमी और मासिक धर्म के दौरान बरती जा रही लापरवाही अब महिलाओं की सेहत पर भारी पड़ने लगी है। महिला जिला अस्पताल में हर दिन 50 से 60 महिलाएं पीरियड्स से जुड़ी समस्याओं को लेकर उपचार कराने पहुंच रही हैं।

अस्पताल के आंकड़ों के अनुसार, हर महीने करीब 1500 से अधिक महिलाएं मासिक धर्म संबंधी परेशानियों के इलाज के लिए अस्पताल आ रही हैं। मासिक धर्म के दौरान साफ–सफाई का ध्यान न रखना, गलत प्रकार के सैनिटरी पैड का इस्तेमाल करना और गंदे कपड़ों का उपयोग संक्रमण का बड़ा कारण बन रहा है। महिला जिला अस्पताल की स्त्री रोग विशेषज्ञ डॉ. कृष्णा शर्मा ने बताया कि कई महिलाएं बिना सही जानकारी के जेल वाले सैनिटरी पैड का इस्तेमाल करती हैं। कई बार ये पैड त्वचा पर चिपक जाते हैं, जिससे एलर्जी, खुजली और संक्रमण जैसी समस्याएं बढ़ जाती हैं।

उन्होंने महिलाओं को कॉटन वाले सैनिटरी पैड इस्तेमाल करने की सलाह देते हुए बताया कि कॉटन पैड त्वचा के लिए सुरक्षित, आरामदायक और अधिक हाइजेनिक होते हैं। ग्रामीण क्षेत्रों और निम्न आय वर्ग की कई लड़कियां-महिलाएं आज भी अपनी समस्या परिवार या माता–पिता से खुलकर नहीं बता पाती हैं।

शर्म और जागरूकता की कमी के कारण वे गंदे या अनहाइजीन कपड़ों का इस्तेमाल कर लेती हैं, जिससे गंभीर संक्रमण का खतरा बढ़ जाता है। अस्पताल में आने वाली महिलाओं में डिसमेनोरिया (अत्यधिक दर्द), एयूबी (असामान्य रक्तस्राव), डीवीबी और पीआईडी जैसी समस्याएं तेजी से सामने आ रही हैं। उन्होंने बताया कि इनमें से अधिकांश बीमारियां मासिक धर्म के दौरान बरती गई लापरवाही और साफ–सफाई की कमी से जुड़ी होती हैं। यदि महिलाएं कपड़े का उपयोग करती हैं तो उसे पूरी तरह साफ और हाइजेनिक तरीके से इस्तेमाल करें।

कपड़े को साफ पानी से अच्छी तरह धोकर धूप में सुखाने के बाद ही दोबारा उपयोग करना चाहिए, ताकि संक्रमण का खतरा कम हो सके। उन्होंने यह भी बताया कि महिलाएं मेन्स्टुअल कप का उपयोग भी कर सकती हैं। यह हाइजेनिक होने के साथ–साथ कई मामलों में सामान्य पैड से बेहतर माना जाता है।

सही तरीके से इस्तेमाल करने पर इससे असुविधा और दर्द की समस्या भी कम होती है।

जीएलए विश्वविद्यालय बना पहला माइक्रोसॉफ्ट जेनएआई और गूगल एजेंटिक एआई कैंपस

यूनिक समय, मथुरा। शिक्षा, तकनीक और नवाचार के क्षेत्र में एक ऐतिहासिक कदम बढ़ाते हुए जीएलए विश्वविद्यालय, मथुरा ने माइक्रोसॉफ्ट और गूगल क्लाउड जैसी विश्व की अग्रणी तकनीकी कंपनियों के साथ महत्वपूर्ण वैश्विक सहयोग स्थापित किया है। यह उपलब्धि विश्वविद्यालय को आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित शिक्षण, शोध और डिजिटल परिवर्तन के क्षेत्र में देश के अग्रणी संस्थानों की श्रेणी में स्थापित करेगी।

जीएलए विश्वविद्यालय अब देश का पहला "माइक्रोसॉफ्ट जेनएआई कैंपस" बनने जा रहा है, जबकि उत्तर भारत का पहला "गूगल क्लाउड एजेंटिक कैंपस" बनने की दिशा में भी तेजी से आगे बढ़ रहा है। इन सहयोगों के माध्यम से विश्वविद्यालय परिसर में शिक्षा, शोध, प्रशासन और नवाचार की पूरी व्यवस्था को अत्याधुनिक एआई तकनीकों से जोड़ा जाएगा। विश्वविद्यालय प्रशासन के अनुसार, यह पहल केवल तकनीकी उन्नयन तक सीमित नहीं है, बल्कि भविष्य की उस शिक्षा व्यवस्था की नींव है, जहां विद्यार्थी पारंपरिक पढ़ाई के साथ–साथ वास्तविक उद्योग आधारित एआई तकनीकों, ऑटोमेशन, मशीन लर्निंग और डिजिटल इनोवेशन के वातावरण में सीख सकेंगे।

माइक्रोसॉफ्ट के सहयोग से विश्वविद्यालय में बीटेक कंप्यूटर साइंस एंड इंजीनियरिंग विद स्पेशलाइजेशन इन आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस एंड मशीन लर्निंग कार्यक्रम को नई तकनीकी दिशा मिलेगी। विद्यार्थियों को जेनरेटिव एआई, मशीन लर्निंग, डेटा इंटेलिजेंस और आधुनिक कंप्यूटिंग तकनीकों का उद्योग आधारित प्रशिक्षण उपलब्ध कराया जाएगा। इससे विद्यार्थी केवल अकादमिक रूप से ही नहीं, बल्कि वैश्विक उद्योगों की आवश्यकताओं के अनुरूप भी तैयार होंगे। वहीं गूगल क्लाउड के सहयोग से विश्वविद्यालय परिसर में एआई एजेंट्स, लो–कोड और नो–कोड तकनीकों, स्मार्ट ऑटोमेशन और डिजिटल उत्पादकता आधारित कार्यप्रणालियों को बढ़ावा मिलेगा। विश्वविद्यालय समुदाय के हजारों विद्यार्थियों, शिक्षकों और कर्मचारियों को गूगल जेमिनी एंटरप्राइज और गूगल वर्कस्पेस फॉर एजुकेशन जैसी

नारायणदास अग्रवाल, कुलाधिपति

अत्याधुनिक सुविधाओं का लाभ मिलेगा। इसके माध्यम से शिक्षण, शोध, प्रोजेक्ट डेवलपमेंट, डिजिटल सहयोग और प्रशासनिक कार्य अधिक स्मार्ट, सुरक्षित और प्रभावी बनेंगे। विश्वविद्यालय में डिजिटल लर्निंग को मजबूत बनाने के लिए उन्नत वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग, लाइव स्ट्रीमिंग, क्लाउड स्टोरेज, वर्चुअल सहयोग, डिजिटल डॉक्यूमेंटेशन और डेटा एनालिटिक्स जैसी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। इससे विद्यार्थी और शिक्षक वैश्विक स्तर की डिजिटल शिक्षा प्रणाली का अनुभव प्राप्त कर सकेंगे।

इन वैश्विक सहयोगों के अंतर्गत जीएलए विश्वविद्यालय परिसर में

जीएलए विश्वविद्यालय में बनेगा भविष्य का एआई इकोसिस्टम, माइक्रोसॉफ्ट और गूगल का सहयोग

माइक्रोसॉफ्ट और गूगल के सहयोग से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित अत्याधुनिक "सेंटर ऑफ एक्सीलेंस" स्थापित किए जा रहे हैं। इन केंद्रों में विद्यार्थियों और शोधकर्ताओं को एआई, हाई परफॉर्मेंस कंप्यूटिंग, स्मार्ट ऑटोमेशन, डेटा प्रोसेसिंग और उद्योग आधारित नवाचारों पर कार्य करने का अवसर मिलेगा। विश्वविद्यालय प्रशासन का मानना है कि माइक्रोसॉफ्ट और गूगल जैसे वैश्विक तकनीकी साझेदारों के सहयोग से विकसित हो रहा यह एआई इकोसिस्टम विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकी चुनौतियों और वैश्विक कॉम्पटीशन के लिए तैयार करेगा। जीएलए के कुलाधिपति नारायण दास अग्रवाल ने इस उपलब्धि पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए कहा कि जीएलए विश्वविद्यालय हमेशा से विद्यार्थियों को भविष्य उन्मुख और रोजगारपरक शिक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध रहा है। माइक्रोसॉफ्ट और गूगल जैसी वैश्विक तकनीकी कंपनियों के साथ यह सहयोग विश्वविद्यालय को नवाचार, शोध और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस आधारित शिक्षा के क्षेत्र में नई पहचान देगा। उन्होंने कहा कि आने वाले समय में एआई तकनीक हर क्षेत्र की कार्यप्रणाली को बदलने वाली है और जीएलए विश्वविद्यालय अपने विद्यार्थियों को उसी भविष्य के लिए तैयार कर रहा है। यह साझेदारी विद्यार्थियों को वैश्विक स्तर की तकनीकी दक्षता और नए अवसर प्रदान करने में मील का पत्थर साबित होगी।

जीएलए विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. अनूप कुमार गुप्ता ने कहा कि यह उपलब्धि केवल विश्वविद्यालय की नहीं, बल्कि पूरे जीएलए परिवार के सामूहिक प्रयासों और दूरदर्शी सोच का परिणाम है। उन्होंने कहा कि आज दुनिया तेजी से एआई आधारित भविष्य की ओर बढ़ रही है और ऐसे समय में शिक्षा संस्थानों की जिम्मेदारी है कि वे विद्यार्थियों को भविष्य की तकनीकों के अनुरूप तैयार करें। प्रो. गुप्ता ने कहा कि विश्वविद्यालय का लक्ष्य केवल तकनीकी संसाधन उपलब्ध कराना नहीं, बल्कि ऐसा समग्र शैक्षणिक वातावरण तैयार करना है, जहां तकनीक शिक्षण, शोध, नवाचार और व्यक्तित्व विकास का सक्रिय माध्यम बने। माइक्रोसॉफ्ट और गूगल जैसे वैश्विक तकनीकी साझेदारों के साथ यह सहयोग विद्यार्थियों को नई संभावनाएं, वैश्विक अवसर और भविष्य उन्मुख शिक्षा प्रदान करेगा।

आईईटी डीन प्रो. अशोक भंसाली ने सभी विभागाध्यक्षों, शिक्षकों, कर्मचारियों और विद्यार्थियों से इन डिजिटल प्लेटफॉर्म्स और एआई आधारित संसाधनों का अधिकतम उपयोग करने का आह्वान करते हुए कहा कि आने वाला समय उन संस्थानों का होगा जो नवाचार, तकनीक और शोध को शिक्षा का अभिन्न हिस्सा बनाएंगे। जीएलए विश्वविद्यालय की यह उपलब्धि न केवल मथुरा और उत्तर प्रदेश के लिए गर्व का विषय है, बल्कि देश के उच्च शिक्षा क्षेत्र में डिजिटल परिवर्तन और एआई आधारित शिक्षा के नए युग की शुरुआत के रूप में भी देखी जा रही है।

गोवर्धन में युवक को बंधक बनाकर बेरहमी से पीटा

सोशल मीडिया पर वायरल हुआ वीडियो

यूनिक समय, मथुरा। गोवर्धन थाना क्षेत्र में युवक की पिटाई का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस ने जांच शुरू कर दी है। वायरल वीडियो में कुछ लोग युवक के हाथ–पैर रस्सी से बांधकर उसे कमरे में बंधक बनाए दिखाई दे रहे हैं। दूसरे वीडियो में वही युवक सड़क पर भागता नजर आता है, जबकि कई लोग उसे लाठी–डंडों और थप्पड़ों से पीट रहे हैं। पीड़ित की पहचान गांव आन्यौर निवासी पप्पू

बंधे हाथ में युवक।

के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वीडियो करीब 20 दिन पुराना है। थाना प्रभारी भगवत गुर्जर ने कहा कि आरोपियों की पहचान कर उनके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी।

मानसी गंगा में डूबने से युवक की मौत, नहीं थे गोताखोर

यूनिक समय, गोवर्धन। मानसी गंगा में स्नान करते समय 18 वर्षीय युवक की डूबने से मौत हो गई। घटना के बाद मौके पर अफरा–तफरी मच गई। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंच गई। इन दिनों गोवर्धन में अधिकमास मेला चल रहा है।

यहां रोजाना हजारों श्रद्धालु गिर्राज जी की परिक्रमा कर रहे हैं। परिक्रमा शुरू करने से पहले श्रद्धालु मानसी गंगा में स्नान और पूजा–अर्चना करते हैं। बताया जा रहा है कि मृत युवक भी परिक्रमा करने आया था और स्नान करते समय गहरे पानी में चला गया। मौके पर मौजूद स्थानीय युवक और पुलिस ने उसे पानी से बाहर निकाला, लेकिन तब तक उसकी मौत हो चुकी थी।

लोगों ने कहा कि यदि गोताखोर होते तो उसकी जान बच सकती थी। पुलिस को युवक की जेब से एक एडमिट कार्ड मिला, जिससे उसकी पहचान हेमंत पुत्र पुरुषोत्तम निवासी भरतपुर के रूप में हुई। एडमिट कार्ड पर संत कृपाल सिंह सेकेंडरी स्कूल, काका जी की कोठी, भरतपुर लिखा हुआ था।

गो ग्राम में संघ प्रशिक्षण वर्ग शुरू

गो ग्राम परखम में आयोजित प्रशिक्षण वर्ग में सहभागी स्वयं सेवकों को संबोधित करते वक्ता।

यूनिक समय, फरह। गो ग्राम परखम में राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ ब्रज प्रांत के दो प्रशिक्षण वर्ग प्रारंभ हुए। यह दोनो वर्ग संघ शिक्षा वर्ग कार्यकर्ताओं की आयु वर्ग के अनुसार अलग अलग लगाए गए हैं। दीनदयाल गो विज्ञान अनुसंधान केंद्र परखम में बीते दिन गुरुवार से शुरू हुआ पहला संघ शिक्षा वर्ग सामान्य है, जिसमें 16 वर्ष से 40 वर्ष तक के 300 कार्यकर्ता प्रशिक्षण लेने के लिये पूरे ब्रज प्रांत से आए हैं। यह कार्यकर्ता15 दिन तक लगातार देश सेवा के गुर सीखेंगे और व्यवस्थित दिनचर्या का पालन करेंगे,जिसे वह अपने जीवन मे उतार सकें। जिसे महाविद्यालयी तरुण कार्यकर्ता सामान्य वर्ग नाम दिया गया है। दूसरा वर्ग विशेष वर्ग का है, इसमे 40 वर्ष से 65 वर्ष आयु वर्ग तक के करीब 200 कार्यकर्ता ब्रज प्रान्त के विभिन्न जिलों से प्रशिक्षण को आए हैं। तरुण व्यवसायी और महाविद्यालयी छात्र सामान्य वर्ग का उदघाटन करते हुये राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के अखिल भारतीय कार्यकारणी सदस्य अजीत महापात्र ने कहा कि सफल व्यक्तित्व के लिए प्रशिक्षण बहुत महत्वपूर्ण है, जितने भी लोग सफल हुये और जिनका नाम इतिहास में अंकित हुआ, उनके जीवन मे प्रशिक्षण का बहुत महत्व रहा। इस अवसर पर प्रांत प्रचारक धर्मेन्द्र और वर्ग सर्वाधिकारी राजकुमार, महावीर शर्मा,ब्रजेश,विभाग प्रचारक पारस,बौद्धिक प्रमुख नरेंद्र,मुख्य शिक्षक माधव आदि साथ रहे। दूसरे विशेष वर्ग के उद्घाटन सत्र में बोलते हुये प्रांत प्रचारक प्रमुख प्रीतम ने कहा कि प्रशिक्षण से समय पालन और आत्म निर्भरता विकसित होती है, समाज और राष्ट्र के प्रति कर्तव्यबोध का निर्माण होता है। इसलिए यह हमारे लिये साधना है। इस अवसर पर वर्ग सर्वाधिकारी शिवकुमार, वर्ग पालक अधिकारी दिलीप, अजय, नरेंद्र शर्मा ओल, बौद्धिक प्रमुख नरेंद्र, विभाग प्रचारक कुलदीप आदि मौजूद रहे।

एक दिवसीय कैंपस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन कल

यूनिक समय, मथुरा। जिला सेवायोजन कार्यालय मॉडल कैरियर सेंटर और राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान के संयुक्त तत्वावधान में 30 मई को प्रातः 10 बजे से राजकीय औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान परिसर वृंदावन रोड़, मथुरा में एक दिवसीय निःशुल्क कैम्पस प्लेसमेंट ड्राइव का आयोजन किया जाएगा। कैम्पस ड्राइव में एमआरएफ, एजीआई ग्रीनपैक, लैगप्रो द्वारा सीएनएच इंडस्ट्रियल, इंडिया स्टील समिट प्रालि़ कंपनियों द्वारा लगभग 250 से अधिक रिक्त पदों पर साक्षात्कार के माध्यम से अभ्यर्थियों का चयन किया जाएगा। शैक्षिक योग्यता हाईस्कूल, इंटरमीडिएट, आईटीआई/ स्नाातक आदि अर्हता वाले इच्छुक अभ्यर्थी सेवायोजन पोर्टल पर अपना निःशुल्क ऑनलाइन पंजीयन करा सकते है। इच्छुक अभ्यर्थी अपने सभी शैक्षिक प्रमाण–पत्रों, पासपोर्ट साइज फोटो एवं बायोडाटा की सहित उपस्थित हो।

सोनपाल को केडी हॉस्पिटल में मिली नई जिंदगी

यूनिक समय, मथुरा। दिल्ली और जयपुर से निराश लौटे सोनपाल सिंह को केडी मेडिकल कॉलेज–हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेंटर के विशेषज्ञ सीटीवीएस सर्जन डॉ. वरुण सिसोदिया और उनकी टीम ने जीने की नई आस दी है। डॉ. सिसोदिया ने क्षय रोग से पीड़ित 32 वर्षीय सोनपाल सिंह के बाएं फेफड़े के दोनों छिद्रों को सर्जरी के माध्यम से बंद कर और सीने में जमा मवाद को हटाकर उसे नया जीवन दिया है। ऑपरेशन लगभग चार घंटे चला। स्वस्थ होने के बाद सोनपाल सिंह को अस्पताल से छुट्टी दे दी गई है।

चिकित्सकों से मिली जानकारी के अनुसार, मथुरा निवासी सोनपाल सिंह पुत्र दिगम्बर सिंह को पिछले चार महीने से सीने में दर्द, सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। परेशानी बढ़ती देख परिजन उसे मथुरा के एक निजी अस्पताल ले गए, जहां कईजांचों के बाद पता चला कि उसके सीने में टीबी है,भारी मात्रा में मवाद जमा है।

सर्जरी करने वाली चिकित्सकों की टीम के साथ सोनपाल सिंह।

मरीज के सीने से मवाद निकालने के लिए ट्यूब डाली गई। कुछ दिन तक सही रहने के बाद उसे पुनः परेशानी बढ़ गई। परिजन फिर उसे उसी हॉस्पिटल ले गए। चिकित्सकों ने मरीज के परिजनों को बताया कि ब्रज क्षेत्र में इसकी सर्जरी करने वाले नहीं हैं, इसकी सर्जरी दिल्ली, जयपुर या लखनऊ में संभव है। मरीज को पहले जयपुर फिर दिल्ली ले जाया, लेकिन वहां ऑपरेशन का खर्च बहुत अधिक था, जोकि उसके लिए वहन कर पाना संभव नहीं था। निराश परिजन 13 मई को मरीज को केडी हॉस्पिटल लाए, कॉर्डियक थारेसिस वैस्क्यूलर सर्जरी विभाग (सीटीवीएस) के सर्जन डॉ. वरुण सिसोदिया को दिखाया। डॉ. सिसोदिया ने सभी जांचों का निरीक्षण करने के बाद ऑपरेशन की सलाह दी।

परिजनों की स्वीकृति के बाद 20 मई को डॉ. वरुण सिसोदिया के मार्गदर्शन में मरीज का ऑपरेशन किया गया।

चार घंटे चले इस ऑपरेशन में डॉ. सिसोदिया का सहयोग डॉ. आकाश कटियार, डॉ. कार्तिकेय, निश्चेतना विशेषज्ञ डॉ. प्रतिमा, टेक्नीशियन योगेश कुमार ने किया। डॉ. सिसोदिया ने बताया

विशेषज्ञ सीटीवीएस सर्जन डॉ. वरुण सिसोदिया ने बाएं फेफड़े के छिद्रों को किया बंद

कि ऑपरेशन बहुत मुश्किल था। मरीज के बाएं फेफड़े में एक चार सेंटीमीटर,एक एक सेंटीमीटर का छेद था, जिसकी वजह से उसे सांस लेने में दिक्कत हो रही थी। इस ऑपरेशन में मरीज के सीने में जमा मवाद को निकालने के साथ ही दोनों छिद्रों को बंद किया गया। केडी मेडिकल कॉलेज–हॉस्पिटल एंड रिसर्च सेण्टर के चेयरमैन मनोज अग्रवाल, डीन और प्राचार्य डॉ. आरके अशोका, चिकित्सा अधीक्षक डॉ. गगनदीप सिंह, विभागाध्यक्ष सर्जरी डॉ. प्रवीण अग्रवाल ने सोनपाल की सफल सर्जरी करने वाली टीम को बधाई देते हुए उसके स्वस्थ–सुखद जीवन की कामना की है।

भाजपा सरकार पर भ्रष्टाचार और जनविरोधी नीतियों का आरोप

यूनिक समय, मथुरा। उत्तर प्रदेश कांग्रेस नेतृत्व के निर्देश पर भाजपा सरकार के कथित भ्रष्टाचार, घोटालों और जनविरोधी नीतियों के विरोध में जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा सेठवाड़ा स्थित कार्यालय पर बैठक हुई। बैठक में जिला कांग्रेस अध्यक्ष मुकेश धनगर ने कहा कि प्रदेश में कानून व्यवस्था पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। उन्होंने महोबा जनपद की एक दलित छात्रा के अपहरण और उसके साथ हुई अमानवीय घटना का उल्लेख करते हुए कहा कि सरकार का कोई प्रतिनिधि पीड़ित परिवार से मिलने तक नहीं पहुंचा। उन्होंने आरोप लगाया कि भाजपा सरकार भ्रष्टाचार में आकंठ डूबी हुई है। हाल ही में आगरा नगर निगम में प्राइवेट बिजली कंपनी टोरंटो का 430 करोड़ रुपये माफ किए जाने का मुद्दा उठाते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार काम लो और चंदा दो की नीति पर कार्य कर रही है। धनगर ने कहा कि यदि सरकार में साहस है तो वह अपने मंत्रियों और विधायकों की संपत्ति निष्पक्ष जांच कराए, जिससे पिछले वर्षों में हुए भ्रष्टाचार का खुलासा हो सके। इस दौरान जिला कांग्रेस महामंत्री वैद्य मनोज गौड़, जिला उपाध्यक्ष आदित्य तिवारी एडवोकेट, गौरांग अग्रवाल, महेश चौबे, प्रवक्ता उमाशंकर शर्मा, रमेश कश्यप और राजेश सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद रहे।

गर्मी में दूषित बर्फ से बढ़ रहा बीमारियों का गंभीर खतरा

सड़क किनारे पेय बन सकते संक्रमण कारण

यूनिक समय, नई दिल्ली। गर्मी का मौसम आते ही गन्ने का रस, शिकंजी, लस्सी, चुस्की और जलजीरा जैसे ठंडे पेय पदार्थों की मांग तेजी से बढ़ जाती है। शहरों से लेकर गांवों तक सड़क किनारे लगे ठेलों पर लोगों की भीड़ आसानी से देखी जा सकती है। तेज धूप और बढ़ते तापमान से राहत पाने के लिए लोग इन पेय पदार्थों का सेवन करते हैं, लेकिन अब स्वास्थ्य विशेषज्ञों ने इसे लेकर गंभीर चेतावनी जारी की है। डॉक्टरों का कहना है कि इन ठंडे पेय पदार्थों में इस्तेमाल होने वाली बर्फ कई बार लोगों की सेहत के लिए खतरा बन सकती है। स्वास्थ्य

विभाग के अनुसार बाजार में बिकने वाली ज्यादातर बर्फ साफ पीने योग्य पानी से तैयार नहीं की जाती। कई आइस फैक्ट्रियों में साफ-सफाई और स्वच्छता के नियमों का सही तरीके से पालन नहीं होता, जिससे बर्फ में बैक्टीरिया, वायरस और हानिकारक तत्व मिल सकते हैं। यही दूषित बर्फ गन्ने के रस, शिकंजी और अन्य ठंडे पेय पदार्थों में मिलाकर लोगों को परोसी जाती है। विशेषज्ञों के मुताबिक इससे फूड पॉइजनिंग, उल्टी-दस्त, पेट संक्रमण, टायफाइड और पीलिया जैसी गंभीर बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। स्वास्थ्य विभाग ने खासतौर पर खुले में बिकने वाले पेय पदार्थों से सावधान रहने की सलाह दी है। खुले वातावरण में रखे पेय पदार्थों पर धूल, गंदगी और मक्खियां बैठती हैं, जिससे संक्रमण का खतरा और बढ़ जाता है। अगर इनमें दूषित बर्फ का इस्तेमाल हो तो स्थिति और भी गंभीर हो सकती है। डॉक्टरों का कहना है कि लोग केवल साफ और सुरक्षित पानी से बनी बर्फ का ही इस्तेमाल करें। साथ ही सड़क किनारे खुले में बिकने वाले ठंडे पेय पदार्थों का सेवन सोच-समझकर करें। स्वास्थ्य विभाग ने पानी सप्लाई करने वाले कैंपर और आइस फैक्ट्रियों की जांच भी तेज कर दी है। विशेषज्ञों के अनुसार थोड़ी सी सावधानी गर्मियों में होने वाली कई गंभीर बीमारियों से बचा सकती है। इसलिए ठंडक पाने के चक्कर में सेहत के साथ लापरवाही करना भारी पड़ सकता है।

आपकी चाल खोल देती है व्यक्तित्व और सेहत

बॉडी लैंग्वेज से दिखते स्वास्थ्य के संकेत

यूनिक समय, नई दिल्ली। तेज चलना आत्मविश्वास की निशानी, जबकि धीमी चाल दे सकती है तनाव और बीमारी के संकेत किसी इंसान का चलने का तरीका केवल एक सामान्य आदत नहीं होता, बल्कि यह उसकी पर्सनैलिटी, मानसिक स्थिति और स्वास्थ्य के बारे में भी बहुत कुछ बता सकता है। विशेषज्ञों के अनुसार किसी व्यक्ति की चाल देखकर उसके आत्मविश्वास, तनाव, ऊर्जा और कई बीमारियों के शुरुआती संकेतों का अंदाजा लगाया जा सकता है। वैज्ञानिकों और हेल्थ एक्सपर्ट्स का मानना है कि जब कोई व्यक्ति चलता है, तब शरीर की मांसपेशियां, दिमाग और नर्वस सिस्टम एक साथ काम करते हैं। ऐसे में शरीर या मानसिक स्थिति में होने वाले छोटे बदलाव भी चाल में नजर आने लगते हैं। विशेषज्ञों के मुताबिक तेज गति और सीधे पोश्चर के साथ चलने वाले लोग आमतौर पर आत्मविश्वासी और सकारात्मक सोच वाले माने जाते हैं। वहीं झुककर या बहुत धीमी चाल में चलना मानसिक तनाव, चिंता या आत्मविश्वास की कमी का संकेत हो सकता है। चलते समय हाथों की गतिविधि भी स्वास्थ्य से जुड़ी अहम जानकारी देती है। सामान्य रूप से हाथ हिलाकर चलना बेहतर संतुलन और स्वस्थ दिमाग की निशानी माना जाता है। वहीं शरीर का कोई हिस्सा कम मूव करना या चाल में अचानक बदलाव आना न्यूरोलॉजिकल समस्याओं के शुरुआती संकेत हो सकते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि उम्र बढ़ने के साथ अगर किसी व्यक्ति की चाल अचानक बदलने लगे या संतुलन बिगड़ने लगे, तो इसे नजरअंदाज नहीं करना चाहिए। चाल में होने वाले बदलाव शरीर और मानसिक स्वास्थ्य को समझने का आसान संकेत बन सकते हैं।

नौतपा की तपिश क्यों है धरती के लिए वरदान?

प्रकृति का 'नेचुरल सैनिटाइजर' है नौतपा

यूनिक समय, नई दिल्ली। देशभर में इन दिनों भीषण गर्मी का कहर देखने को मिल रहा है। राजस्थान, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, हरियाणा और मध्य प्रदेश जैसे राज्यों में तापमान 45 से 48 डिग्री सेल्सियस तक पहुंच चुका है। 25 मई से शुरू हुआ नौतपा लोगों के लिए भले ही परेशानी का कारण बनता हो, लेकिन प्रकृति और किसानों के लिए इसे बेहद महत्वपूर्ण माना जाता है। नौतपा का मतलब होता है "नौ दिनों की तपिश"। भारतीय ज्योतिष के अनुसार जब सूर्य रोहिणी नक्षत्र में प्रवेश करता है, तब नौतपा शुरू होता है। यह समय हर साल मई के आखिर और जून की शुरुआत में आता है और इसे साल का सबसे गर्म दौर माना जाता है। मान्यता है कि नौतपा की तेज गर्मी मानसून को मजबूत बनाने में मदद करती है।

वैज्ञानिक दृष्टि से भी अधिक गर्मी के कारण धरती पर कम दबाव का क्षेत्र बनता है, जिससे समुद्र से नमी भरी हवाएं भारत की ओर आकर्षित होती हैं। यही हवाएं आगे चलकर मानसून की बारिश लेकर आती हैं। किसानों के लिए भी नौतपा बेहद जरूरी माना जाता है। इस दौरान पड़ने वाली तेज धूप खेतों में मौजूद कई हानिकारक कीट, फफूंद और बैक्टीरिया को खत्म करने का काम करती है।

अगर नौतपा में अच्छी गर्मी न पड़े तो बारिश के मौसम में फसलों पर कीटों और बीमारियों का खतरा बढ़ सकता है। यानी नौतपा सिर्फ तपिश नहीं, बल्कि अच्छी बारिश, स्वस्थ फसल और प्रकृति के संतुलन का अहम हिस्सा भी है।

कम बजट में लें विदेशी नजारों का आनंद

स्कॉटलैंड जैसी खूबसूरती वाले भारत के सस्ते हिलस्टेशन

यूनिक समय, नई दिल्ली। अगर आप कम बजट में खूबसूरत पहाड़ों, हरियाली और शांत वातावरण का आनंद लेना चाहते हैं, तो भारत के कई हिल स्टेशन आपके लिए शानदार विकल्प साबित हो सकते हैं। खास बात यह है कि इन जगहों की प्राकृतिक सुंदरता लोगों को स्कॉटलैंड जैसे विदेशी पर्यटन स्थलों की याद दिलाती है, लेकिन यहां घूमने का खर्च काफी कम आता है। हिमाचल प्रदेश का खजियार "मिनी स्कॉटलैंड ऑफ इंडिया" के नाम से मशहूर है। देवदार के घने जंगल, हरे-भरे मैदान और शांत झीलें इस जगह को बेहद खास बनाती हैं। यहां का सुहावना मौसम सालभर पर्यटकों को आकर्षित करता है। परिवार और दोस्तों के साथ सुकूनभरी छुट्टियां बिताने के लिए यह बेहतरीन जगह मानी जाती है। वहीं केरल का मुन्नार भी अपनी प्राकृतिक खूबसूरती के लिए दुनियाभर में प्रसिद्ध है। यहां दूर-दूर तक फैले चाय के बागान, ठंडी हवाएं और धुंध से ढकी पहाड़ियां लोगों को विदेशी वादियों जैसा एहसास कराती हैं। कम बजट में रहने और घूमने के कई विकल्प यहां आसानी से मिल जाते हैं। कर्नाटक का कूर्ग भी प्रकृति प्रेमियों के बीच काफी लोकप्रिय है। कॉफी के बागान, झरने और खूबसूरत घाटियां इस जगह की पहचान हैं। यहां का शांत वातावरण और ठंडा मौसम लोगों को मानसिक सुकून देता है। ट्रैकिंग और एडवेंचर पसंद करने वालों के लिए भी यह जगह खास मानी जाती है। उत्तराखंड का औली बर्फीले नजारों के लिए जाना जाता है। सर्दियों में यहां सफेद बर्फ की चादर बिछ जाती है, जो किसी विदेशी पर्यटन स्थल जैसा अनुभव देती है। स्कीइंग के शौकीनों के बीच यह जगह काफी लोकप्रिय है। अगर आप विदेश जैसा अनुभव चाहते हैं लेकिन बजट सीमित है, तो भारत के ये खूबसूरत हिल स्टेशन आपके लिए परफेक्ट ट्रैवल डेस्टिनेशन साबित हो सकते हैं।

गर्मियों में स्विमिंग बन सकती है खतरनाक

यूनिक समय, नई दिल्ली। बच्चों को पूल भेजने से पहले जान लें डूबने से बचाने वाले जरूरी सेफ्टी टिप्स गर्मियों के मौसम में बच्चे और बड़े ठंडक पाने के लिए स्विमिंग पूल, नदी और तालाबों का रुख करते हैं। हालांकि लापरवाही कई बार बड़े हादसों की वजह बन सकती है। हाल ही में पानी में डूबने की बढ़ती घटनाओं के बाद विशेषज्ञों ने पानी में सुरक्षा को लेकर खास सतर्क रहने की सलाह दी है। रॉयल लाइफ सेविंग सोसायटी के अनुसार गर्म मौसम में डूबने के मामले तेजी से बढ़ जाते हैं। विशेषज्ञों का कहना है कि बाहर का तापमान ज्यादा होने के बावजूद पानी काफी ठंडा हो सकता है। ऐसे में अचानक पानी में उतरने से "कोल्ड वॉटर शॉक" लग सकता है, जिससे सांस लेने और शरीर को नियंत्रित करने में परेशानी हो सकती है। विशेषज्ञों की सलाह है कि बच्चों को कभी भी अकेले स्विमिंग के लिए न भेजें। हमेशा प्रशिक्षित कोच और लाइफगार्ड की निगरानी में ही स्विमिंग करानी चाहिए। अगर कोई व्यक्ति पानी में फंस जाए तो घबराने के बजाय शरीर को रिलैक्स रखना जरूरी है। सिर पीछे की ओर रखें और नाक-मुंह को पानी से ऊपर रखने की कोशिश करें। हाथ-पैर धीरे-धीरे चलाते रहें ताकि शरीर तैरता रहे। इसके अलावा बच्चों को गहरे पानी, नदी या झील में बिना सुरक्षा उपकरण के जाने से रोकना चाहिए। लाइफ जैकेट और फ्लोटर जैसे सुरक्षा साधन हादसों का खतरा काफी कम कर सकते हैं। सही सावधानी और ट्रेनिंग से ऐसी दुर्घटनाओं से बचाव संभव है।

प्रिंटिंग समस्या ने बदल दी दुनिया पूरी

इंसानों के लिए नहीं कागजों के लिए बना था पहला एसी

यूनिक समय, नई दिल्ली। आज के समय में एयर कंडीशनर यानी अउ लोगों की जिंदगी का अहम हिस्सा बन चुका है। भीषण गर्मी और उमस के बीच घर, दफ्तर, मॉल और गाड़ियों तक में एसी का इस्तेमाल तेजी से बढ़ रहा है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि एसी का आविष्कार लोगों को ठंडक पहुंचाने के लिए नहीं किया गया था? इसकी शुरुआत एक प्रिंटिंग प्रेस की समस्या को दूर करने के लिए हुई थी। दरअसल, साल 1902 में अमेरिका के युवा इंजीनियर विलिस कैरियर ने आधुनिक एयर कंडीशनिंग सिस्टम का आविष्कार किया था। उस समय न्यूयॉर्क की एक प्रिंटिंग प्रेस में बड़ी परेशानी आ रही थी। गर्मियों में हवा में बढ़ती नमी की वजह से कागज फैल

जाते थे और रंगीन छपाई खराब हो जाती थी। स्याही सही जगह पर नहीं बैठती थी, जिससे प्रिंटिंग की गुणवत्ता प्रभावित होती थी। इस समस्या को हल करने के लिए विलिस कैरियर ने एक खास मशीन तैयार की, जो हवा की नमी को नियंत्रित करती थी। इस तकनीक ने प्रिंटिंग प्रेस में तापमान और आर्द्रता दोनों को संतुलित कर दिया। यही दुनिया का पहला आधुनिक एयर कंडीशनिंग सिस्टम माना गया। धीरे-धीरे लोगों को एहसास हुआ कि यह तकनीक सिर्फ फैक्ट्रियों के लिए ही नहीं, बल्कि इंसानों को आराम पहुंचाने में भी बेहद उपयोगी हो सकती है। इसके बाद एसी का इस्तेमाल सिनेमाघरों, होटलों, दफ्तरों और फिर घरों तक पहुंच गया। 1915 में विलिस कैरियर ने अपनी कंपनी "कैरियर इंजीनियरिंग कॉर्पोरेशन" की स्थापना की, जो आगे चलकर दुनिया की बड़ी एसी कंपनियों में शामिल हो गई। हालांकि इससे पहले भी कूलिंग तकनीक पर काम हुआ था, लेकिन व्यावसायिक सफलता कैरियर के सिस्टम को ही मिली। आज एसी सिर्फ एक मशीन नहीं, बल्कि आधुनिक जीवनशैली का हिस्सा बन चुका है। इसने लोगों के रहने, काम करने और शहरों के विकास के तरीके तक बदल दिए हैं। हैरानी की बात यह है कि जिसकी शुरुआत सिर्फ कागज बचाने के लिए हुई थी, वही तकनीक आज करोड़ों लोगों को राहत पहुंचा रही है।

सुविचार

खुशी बाहर नहीं, हमारे अपने विचारों और व्यवहार में छिपी होती है।

कल का पंचांग

तिथि	चतुर्दशी	09:50-11:58 तक	पक्ष	शुक्ल पक्ष
नक्षत्र	अनुराधा	01:20-04:11 तक	माह	ज्येष्ठ
सूर्योदय		5:29 AM	चन्द्रोदय	06:30 PM
सूर्यास्त		7:04 PM	चंद्रास्त	04:55 AM
सूर्य राशि		वृषभ राशि	चंद्र	वृश्चिक राशि
शुभ मुहूर्त	11:49AM -12:43PM		ब्रहम् मुहूर्त	03:52-04:40
त्योहार/व्रत			विक्रम संवत्	2083
राहुकाल		08:52 AM: 10:34 AM	वार	शनिवार

ब्रज के मंदिरों के दर्शन

ब्रज की सभी कथा और श्री राधा कृष्ण की सभी लीलाओं के दर्शन यूनिक समय चैनल के माध्यम से करें।

Youtube Channel : https://youtube.com/uniquesamay

राधावल्लभ मंदिर से जुड़ी अनोखी दिव्य रहस्यमयी कथा

भगवान शिव के हृदय से निकली थी दिव्य कृष्ण मूर्ति

यूनिक समय, वृंदावन। वृंदावन स्थित श्री राधावल्लभ मंदिर देशभर के श्रद्धालुओं की आस्था का प्रमुख केंद्र माना जाता है। यह मंदिर केवल अपनी भव्यता और भक्ति के लिए ही नहीं, बल्कि एक रहस्यमयी और अद्भुत कथा के कारण भी प्रसिद्ध है। मान्यता है कि यहां विराजमान श्री राधावल्लभ जी की दिव्य मूर्ति स्वयं भगवान शिव ने अपने हृदय से निकालकर एक ब्राह्मण को दी थी। यही कारण है कि इस मंदिर और राधावल्लभ संप्रदाय का महत्व भक्तों के बीच अत्यंत विशेष माना जाता है।

मंदिर में नहीं विराजती राधारानी की प्रतिमा

पौराणिक मान्यताओं के अनुसार उत्तर प्रदेश के देवबंद में एक ब्राह्मण रहता था, जो भगवान शिव का परम भक्त था। अपनी भक्ति और कठोर तपस्या से प्रसन्न होकर भगवान शिव उसे दर्शन देने प्रकट हुए। जब महादेव ने भक्त से वरदान मांगने को कहा, तब उसने ऐसी वस्तु मांगी जो भगवान शिव के हृदय के सबसे करीब हो। यह सुनकर भगवान शिव मुस्कुराए और अपने हृदय से श्रीकृष्ण की एक दिव्य मूर्ति प्रकट कर उस ब्राह्मण को सौंप दी।

कहा जाता है कि भगवान शिव ने उस समय एक बड़ा रहस्य भी बताया। उन्होंने कहा कि यह केवल श्रीकृष्ण की प्रतिमा नहीं, बल्कि इसके कण-कण में स्वयं राधारानी का वास है। इसके बाद वह ब्राह्मण उस दिव्य विग्रह को अपने घर ले आया और पीढ़ियों तक उसकी पूजा होती रही।

16वीं शताब्दी में यही दिव्य मूर्ति आत्मदेव नामक ब्राह्मण के पास पहुंची। उसी समय हित हरिवंश महाप्रभु वृंदावन जा रहे थे।

मान्यता है कि उन्हें स्वप्न में राधारानी के दर्शन हुए और आदेश मिला कि वे आत्मदेव की पुत्रियों से विवाह करें तथा दहेज में वही दिव्य विग्रह प्राप्त करें। हित हरिवंश महाप्रभु ने वैसा ही किया और उस मूर्ति को वृंदावन लाकर यमुना तट पर स्थापित किया। यहीं से राधावल्लभ संप्रदाय की शुरुआत मानी जाती है।

MANNAT GROUP
Building Your Vision, Creating Reality

इस मंदिर की सबसे अनोखी बात यह है कि यहां श्रीकृष्ण के साथ राधारानी की प्रतिमा स्थापित नहीं है। मान्यता है कि हित हरिवंश महाप्रभु राधारानी के स्वरूप को इतना दिव्य मानते थे कि उसे किसी मूर्ति में सीमित नहीं किया जा सकता। इसलिए श्री राधावल्लभ जी के समीप राधारानी की प्रतीक स्वरूप मखमली गद्दी और स्वर्ण मुकुट स्थापित किया गया है।

भक्तों का विश्वास है कि राधारानी आज भी इस मंदिर में अदृश्य रूप में विराजमान हैं और श्री राधावल्लभ जी अपनी तिरछी दृष्टि से उन्हें निहारते रहते हैं। यही दिव्य रहस्य आज भी लाखों श्रद्धालुओं को वृंदावन की ओर आकर्षित करता है।

मंदिर खुलने व बंद होने का समय

- श्रीबांके बिहारीजी मंदिर में सुबह 8 .00 से दोपहर 01.30 बजे तक और शाम 4 .00 से रात 9 .00 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि में श्री गर्भगृह के दर्शन सुबह 6 .30 बजे से रात 9 बजे तक।
- श्रीकृष्ण जन्मभूमि के भागवत भवन व अन्य मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से दोपहर 12 बजे तक और शाम 4 बजे से रात 9 बजे तक।
- द्वारकाधीश मंदिर में सुबह 6 .30 बजे से 11 बजे तक और शाम 4 बजे से 7 .30 बजे तक।

कल का राशिफल

मेष: कल कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिल सकती है। परिवार का सहयोग मिलेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें। स्वास्थ्य सामान्य रहेगा। पुराने मित्र से मुलाकात मन प्रसन्न करेगी। यात्रा के योग बन रहे हैं।

वृषभ: आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। नौकरी और व्यापार में लाभ मिलने के संकेत हैं। रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। निवेश सोच-समझकर करें। विद्यार्थियों को सफलता मिलेगी। सेहत को लेकर सतर्क रहने की जरूरत रहेगी।

मिथुन: कल आत्मविश्वास बढ़ा रहेगा। रुके हुए काम पूरे हो सकते हैं। पारिवारिक माहौल सुखद रहेगा। किसी महत्वपूर्ण व्यक्ति से मुलाकात लाभदायक साबित होगी। खानपान संतुलित रखें और तनाव से दूर रहें।

कर्क: भावनाओं में बहकर निर्णय लेने से बचें। कार्यक्षेत्र में मेहनत का अच्छा परिणाम मिलेगा। परिवार के साथ समय बिताने का अवसर मिलेगा। आर्थिक मामलों में सावधानी रखें। स्वास्थ्य पहले से बेहतर रहेगा।

सिंह: कल मान-सम्मान में वृद्धि होगी। व्यापार में लाभ के नए अवसर मिल सकते हैं। दांपत्य जीवन सुखद रहेगा। मित्रों का सहयोग मिलेगा। यात्रा के दौरान सावधानी रखें और समय का सही उपयोग करें।

कन्या: नौकरीपेशा लोगों के लिए दिन शुभ रहेगा। परिवार में खुशी का माहौल रहेगा। धन लाभ के संकेत हैं। पुराने विवाद सुलझ सकते हैं। विद्यार्थियों को मेहनत का सकारात्मक परिणाम मिलने की संभावना है।

तुला: कल का दिन उत्साह से भरा रहेगा। नए कार्य की शुरुआत कर सकते हैं। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। रिश्तों में मिठास बढ़ेगी। स्वास्थ्य का ध्यान रखें और अनावश्यक खर्चों से बचने का प्रयास करें।

वृश्चिक: कामकाज में सफलता मिलने के योग हैं। परिवार का सहयोग मिलेगा। निवेश के लिए समय अनुकूल है। गुस्से पर नियंत्रण रखें।

धनु: कल रुके हुए कार्य पूरे होने से राहत मिलेगी। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। नौकरी में प्रगति के संकेत हैं। परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा। सेहत को लेकर लापरवाही न करें।

मकर: आर्थिक मामलों में सफलता मिल सकती है। कार्यक्षेत्र में नई जिम्मेदारी मिलेगी। जीवनसाथी का सहयोग मिलेगा। विद्यार्थियों के लिए समय अनुकूल है। यात्रा के दौरान सावधानी बरतें और तनाव से बचें।

कुंभ: कल नए संपर्क भविष्य में लाभ दिला सकते हैं। व्यापार में उन्नति के योग हैं। परिवार का माहौल खुशनुमा रहेगा। सेहत सामान्य रहेगी।

मीन: दिन सकारात्मक रहेगा। नौकरी और व्यापार में सफलता मिलेगी। परिवार के साथ अच्छा समय बीतेगा। धार्मिक कार्यों में रुचि बढ़ेगी। आर्थिक स्थिति मजबूत होगी और मन प्रसन्न बना रहेगा।

सर्वार्थ सिद्धि योग में करें विभुवन संकष्टी चतुर्थी पूजा

यूनिक समय, मथुरा। जून महीने में विभुवन संकष्टी चतुर्थी का व्रत 3 जून 2026, बुधवार को रखा जाएगा। यह व्रत अधिकमास के कृष्ण पक्ष की चतुर्थी तिथि पर पड़ रहा है। धार्मिक मान्यता है कि इस दिन भगवान गणेश की पूजा और व्रत करने से जीवन के सभी संकट दूर होते हैं तथा मनोकामनाएं पूर्ण होती हैं। पंचांग के अनुसार चतुर्थी तिथि 3 जून की रात 9:21 बजे शुरू होगी और 4 जून की रात 11:30 बजे समाप्त होगी। उदया तिथि के आधार पर 3 जून को ही व्रत रखा जाएगा। इस बार संकष्टी चतुर्थी पर सर्वार्थ सिद्धि योग का शुभ संयोग बन रहा है। यह योग सुबह 5:28 बजे से 11:46 बजे तक रहेगा, जिसे पूजा के लिए अत्यंत शुभ माना गया है। व्रत रखने वाले श्रद्धालु सुबह 5:23 बजे से 8:51 बजे के बीच भगवान गणेश की पूजा कर सकते हैं। इस दौरान लाभ-उन्नति और अमृत-सर्वोत्तम मुहूर्त का विशेष महत्व रहेगा। शुभ-उत्तम मुहूर्त सुबह 10:35 बजे से दोपहर 12:19 बजे तक रहेगा। रात में चंद्रोदय 10:04 बजे होगा। इस समय जल और कच्चे दूध से चंद्रदेव को अर्घ्य देने के बाद व्रत का पारण किया जाएगा। हालांकि इस दिन भद्रा और पंचक का संयोग भी बन रहा है, लेकिन धार्मिक दृष्टि से गणेश पूजा का महत्व विशेष माना गया है।

गणेश पूजा से दूर होंगे जीवन के संकट, रात में चंद्रदेव को देंगे भक्त अर्घ्य

वास्तु शास्त्र: फिटकरी के आसान उपाय बदल सकते हैं किस्मत

यूनिक समय, मथुरा। भारतीय घरों में फिटकरी का इस्तेमाल लंबे समय से पानी साफ करने और घरेलू कामों में किया जाता रहा है, लेकिन वास्तु शास्त्र में इसे विशेष महत्व दिया गया है। मान्यता है कि फिटकरी घर की नकारात्मक ऊ र्जा को दूर कर सकारात्मक वातावरण बनाने में मदद करती है। वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार घर और कार्यस्थल की कुछ खास जगहों पर फिटकरी रखने से आर्थिक परेशानियां कम हो सकती हैं और सुख-समृद्धि का मार्ग खुल सकता है।

वास्तु शास्त्र में घर के मुख्य द्वार को ऊ र्जा का प्रवेश द्वार माना जाता है। इसलिए यहां सकारात्मक ऊर्जा बनाए रखना बेहद जरूरी माना गया है। इसके लिए काले कपड़े में फिटकरी का छोटा टुकड़ा बांधकर मुख्य दरवाजे पर टांगने की सलाह दी जाती है। मान्यता है कि इससे बुरी नजर और नकारात्मक ऊ र्जा घर में प्रवेश नहीं कर पाती। कई लोग इसे दुकान और ऑफिस के बाहर भी लगाते हैं, ताकि व्यापार में सकारात्मक प्रभाव बना रहे।

वास्तु मान्यताओं में खास माना जाता सफेद पत्थर

सकारात्मक ऊर्जा बढ़ाने के बताए गए कई उपाय

बाथरूम और टॉयलेट को वास्तु के अनुसार नकारात्मक ऊर्जा वाली जगह माना जाता है। ऐसे में कांच की कटोरी में फिटकरी रखकर बाथरूम के किसी कोने में रखने का उपाय बताया गया है। कहा जाता है कि इससे वहां की ऊर्जा संतुलित रहती है और वास्तु दोष कम होने में मदद मिलती है। हालांकि फिटकरी को समय-समय पर बदलना जरूरी माना गया है।

अगर घर में पैसा टिक नहीं रहा हो या लगातार आर्थिक परेशानियां बनी रहती हों, तो तिजोरी या धन रखने वाली जगह पर लाल कपड़े में बांधकर फिटकरी रखने की सलाह दी जाती है। मान्यता है कि इससे फिजूलखर्ची कम होती है और आर्थिक स्थिति मजबूत होने लगती है। कई लोग इसे धन आकर्षित करने वाला उपाय भी मानते हैं। वास्तु मान्यताओं के अनुसार बेडरूम में फिटकरी रखने से मानसिक शांति मिल सकती है। तकिए के नीचे या सिरहाने फिटकरी रखने से नकारात्मक तरंगें कम होती हैं और तनाव, डरावने सपनों व अनिद्रा जैसी समस्याओं में राहत मिल सकती है। ऑफिस या दुकान में लगातार तनाव और काम में रुकावट महसूस हो रही हो तो डेस्क या काउंटर पर फिटकरी रखने का उपाय भी बताया गया है। कहा जाता है कि इससे सकारात्मक माहौल बनता है और निर्णय लेने की क्षमता बेहतर होती है।

इसके अलावा हफ्ते में एक बार पोछे के पानी में पिसी हुई फिटकरी और सेंधा नमक मिलाने की सलाह भी दी जाती है। मान्यता है कि इससे घर का वातावरण ताजगी और सकारात्मक ऊर्जा से भर जाता है।

सम्पादकीय

बदलते पर्यावरण से बदल रहा जीवों का स्वभाव

धरती पर बढ़ते पर्यावरण प्रदूषण और जलवायु परिवर्तन का असर अब केवल इंसानों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि पशु–पक्षियों के स्वभाव और व्यवहार में भी साफ दिखाई देने लगा है। हाल के वर्षों में कुत्तों, बंदरों और अन्य जानवरों के आक्रामक होने की घटनाएं तेजी से बढ़ी हैं। जंगली जानवरों का शहरों और आबादी वाले क्षेत्रों में प्रवेश करना भी अब आम बात बनता जा रहा है। यह बदलाव केवल संयोग नहीं, बल्कि प्रकृति के साथ लगातार हो रहे मानवीय हस्तक्षेप का परिणाम है।

जंगलों की कटाई, बढ़ती आबादी, शोरगुल, तेज रोशनी और प्रदूषण ने वन्यजीवों के प्राकृतिक वातावरण को बुरी तरह प्रभावित किया है। जानवरों के सामने भोजन और पानी का संकट गहराता जा रहा है। ऐसे में वे सुरक्षित स्थान और भोजन की तलाश में मानव बस्तियों की ओर रुख कर रहे हैं। इससे इंसान और वन्यजीवों के बीच टकराव बढ़ना स्वाभाविक है। कई शहरों में तेंदुए, हाथी और बाघ जैसे जंगली जानवरों के पहुंचने की घटनाएं चिंता बढ़ा रही हैं।

पवन गौतम
संपादक

जलवायु परिवर्तन ने मौसम के संतुलन को भी बिगाड़ दिया है। कभी असमय बारिश, कभी तेज गर्मी और कभी अचानक ओलावृष्टि जैसी परिस्थितियों ने पशु–पक्षियों की प्राकृतिक जीवनशैली को प्रभावित किया है। पक्षियों के प्रवास मार्ग बदल रहे हैं और कई प्रजातियां विलुप्ति के कगार पर पहुंच रही हैं। खेती में रासायनिक पदार्थों के अत्यधिक उपयोग ने भी पक्षियों और अन्य जीवों के स्वास्थ्य तथा व्यवहार पर नकारात्मक असर डाला है।

स्कैन करें
संपादकीय सुनने के लिए मोबाइल से QR कोड को स्कैन करें।

विशेषज्ञों का मानना है कि जीव–जंतुओं में बढ़ती आक्रामकता उनके भीतर पैदा हो रही असुरक्षा और तनाव का संकेत है। यदि समय रहते पर्यावरण संरक्षण और जैव विविधता बचाने के लिए ठोस कदम नहीं उठाए गए, तो आने वाले समय में स्थिति और गंभीर हो सकती है। प्रकृति का संतुलन बनाए रखना केवल सरकारों की नहीं, बल्कि समाज के हर व्यक्ति की जिम्मेदारी है।

हमें यह समझना होगा कि पशु–पक्षी भी इस धरती के समान अधिकार वाले जीव हैं। उनके लिए सुरक्षित वातावरण, पर्याप्त भोजन और प्राकृतिक आवास बचाना हमारी नैतिक जिम्मेदारी है। यदि प्रकृति सुरक्षित रहेगी, तभी मानव जीवन भी सुरक्षित और संतुलित रह पाएगा।

नजरिया

सुप्रीम कोर्ट का बड़ा फैसला

अब हाईकोर्ट में नहीं लटकेंगे निर्णय

बोध प्रकाश सगुणी

भारत की न्याय व्यवस्था लंबे समय से एक गंभीर चुनौती का सामना कर रही है–फैसलों में देरी। अदालतों में लाखों मामले वर्षों तक लंबित रहते हैं और कई बार सुनवाई पूरी होने के बाद भी निर्णय सुरक्षित रख दिए जाते हैं। इससे न केवल न्याय प्रक्रिया धीमी पड़ती है, बल्कि आम नागरिकों का भरोसा भी प्रभावित होता है। अब सुप्रीम कोर्ट ने इस समस्या पर सख्त रुख अपनाते हुए देशभर के हाई कोर्ट को निर्देश दिया है कि सुरक्षित रखे गए फैसले अधिकतम तीन महीने के भीतर सुनाए जाएं। यह फैसला न्यायिक व्यवस्था में पारदर्शिता, जवाबदेही और समयबद्धता सुनिश्चित करने की दिशा में एक बड़ा कदम माना जा रहा है। मुख्य न्यायाधीश सूर्यकांत और न्यायमूर्ति जॉयमाल्य बागची की पीठ ने विशेष रूप से जमानत मामलों को लेकर महत्वपूर्ण निर्देश जारी किए हैं। अदालत ने कहा कि जमानत याचिकाओं पर आदेश उसी दिन सुनाया जाना चाहिए। यदि किसी कारणवश आदेश सुरक्षित रखा जाता है, तो उसे अगले दिन सुनाकर वेबसाइट पर अपलोड करना अनिवार्य होगा। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी स्पष्ट किया कि जमानत आदेश की सूचना तुरंत जेल प्रशासन तक पहुंचनी चाहिए ताकि आरोपी की रिहाई में अनावश्यक देरी न हो। यह निर्देश केवल प्रशासनिक सुधार नहीं बल्कि नागरिकों की व्यक्तिगत स्वतंत्रता की रक्षा से जुड़ा महत्वपूर्ण कदम है। भारतीय संविधान प्रत्येक नागरिक को जीवन और व्यक्तिगत स्वतंत्रता का अधिकार देता है। लेकिन जब किसी व्यक्ति की जमानत याचिका महीनों तक लंबित रहती है, तो वह बिना अंतिम निर्णय के जेल में रहने को मजबूर हो जाता है। कई मामलों में बाद में आरोपी निर्दोष साबित हो जाते हैं, लेकिन तब तक उनका सामाजिक सम्मान, मानसिक स्थिति और आर्थिक जीवन बुरी तरह प्रभावित हो चुका होता है। ऐसे मामलों में न्याय में देरी वास्तव में न्याय से वंचित करने के समान बन जाती है। सुप्रीम कोर्ट ने इसी गंभीर पहलू को ध्यान में रखते हुए कहा कि व्यक्तिगत स्वतंत्रता से जुड़े मामलों में त्वरित निर्णय बेहद जरूरी हैं। देश की विभिन्न अदालतों में फैसले सुरक्षित रखने और लंबे समय तक निर्णय न सुनाने की शिकायतें लगातार सामने आती रही हैं। व्यापारिक विवादों से लेकर पारिवारिक मामलों और आपराधिक मुकदमों तक, हर क्षेत्र में फैसलों में देरी का सीधा असर लोगों के जीवन पर पड़ता है। कई बार लोग वर्षों तक अदालतों के चक्कर लगाते रहते हैं और अंतिम निर्णय का इंतजार करते–करते उनका धैर्य टूट जाता है। सुप्रीम कोर्ट ने स्पष्ट कहा कि हाई कोर्ट न्याय की पहली बड़ी उम्मीद होते हैं, इसलिए वहां समय पर फैसले आना बेहद आवश्यक है।

हालांकि न्यायपालिका के सामने चुनौतियां भी कम नहीं हैं। देशभर की अदालतों में न्यायाधीशों के हजारों पद खाली पड़े हैं। मुकदमों की संख्या लगातार बढ़ रही है और संसाधनों की कमी भी बड़ी समस्या बनी हुई है। कई न्यायाधीश भारी कार्यभार के बीच काम करते हैं। ऐसे में हर मामले में समय पर फैसला देना आसान नहीं होता। लेकिन इसके बावजूद सुप्रीम कोर्ट ने साफ कहा कि न्याय में अनावश्यक देरी स्वीकार नहीं की जा सकती। अदालत का मानना है कि न्याय तभी प्रभावी माना जाएगा जब वह समय पर मिले। सुप्रीम कोर्ट ने संविधान के अनुच्छेद 142 के तहत अपनी विशेष शक्तियों का इस्तेमाल करते हुए ये निर्देश जारी किए हैं। अनुच्छेद 142 सुप्रीम कोर्ट को पूर्ण न्याय सुनिश्चित करने के लिए विशेष अधिकार देता है। अदालत ने यह भी स्पष्ट किया कि इन आदेशों का उद्देश्य किसी न्यायाधीश या संस्था पर सवाल उठाना नहीं है, बल्कि पूरी न्याय प्रणाली को अधिक जवाबदेह और प्रभावी बनाना है। यह टिप्पणी इसलिए महत्वपूर्ण है क्योंकि न्यायपालिका की स्वतंत्रता लोकतंत्र का आधार मानी जाती है और किसी भी सुधार को संतुलित तरीके से लागू करना जरूरी होता है। एक और महत्वपूर्ण निर्देश यह है कि सभी फैसले 24 घंटे के भीतर हाई कोर्ट की वेबसाइट पर अपलोड किए जाएं। डिजिटल युग में लोग चाहते हैं कि न्यायिक आदेश आसानी और जल्दी उपलब्ध हों। कई बार आदेश अपलोड होने में देरी के कारण कानूनी प्रक्रिया आगे नहीं बढ़ पाती। अपील दाखिल करने, रिहाई की प्रक्रिया पूरी करने और अन्य प्रशासनिक कार्यों में बाधा आती है। ऐसे में फैसलों को समय पर ऑनलाइन उपलब्ध कराना न्यायिक पारदर्शिता को मजबूत करेगा और लोगों को राहत देगा। यह आदेश झारखंड हाईकोर्ट में फैसलों में देरी से जुड़े एक मामले की सुनवाई के दौरान आया, लेकिन इसका प्रभाव पूरे देश की न्याय व्यवस्था पर पड़ेगा। माना जा रहा है कि इससे अदालतों में अनुशासन और समयबद्धता बढ़ेगी। साथ ही न्यायपालिका के प्रति जनता का भरोसा भी मजबूत होगा। लंबे समय से लोग यह शिकायत करते रहे हैं कि अदालतों में मामलों का निपटारा बहुत धीमी गति से होता है। सुप्रीम कोर्ट का यह कदम इस धारणा को बदलने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। भारत जैसे लोकतांत्रिक देश में न्यायपालिका को अंतिम उम्मीद माना जाता है। जब लोगों को कहीं और राहत नहीं मिलती, तब वे अदालत का दरवाजा खटखटाते हैं। ऐसे में यदि अदालतों में भी फैसले देर से आएं, तो न्याय व्यवस्था पर विश्वास कमजोर पड़ सकता है। न्यायपालिका केवल कानून लागू करने वाली संस्था नहीं बल्कि लोकतंत्र की रक्षा करने वाली महत्वपूर्ण व्यवस्था भी है। इसलिए समय पर फैसले देना केवल कानूनी जिम्मेदारी नहीं बल्कि लोकतांत्रिक मूल्यों की रक्षा का भी हिस्सा है। विशेषज्ञों का मानना है कि केवल समय सीमा तय करना ही काफी नहीं होगा। अदालतों में खाली पद भरना, डिजिटल सुविधाएं बढ़ाना, न्यायाधीशों की संख्या बढ़ाना और आधुनिक तकनीक का अधिक उपयोग करना भी जरूरी है। कई विशेषज्ञ यह भी सुझाव देते हैं कि वैकल्पिक विवाद निपटान प्रणाली को बढ़ावा दिया जाए ताकि अदालतों पर बोझ कम हो सके। यदि न्यायपालिका को पर्याप्त संसाधन और तकनीकी सहायता मिलेगी, तभी ऐसे निर्देशों का प्रभाव पूरी तरह दिखाई देगा।

इसके अलावा न्यायिक प्रक्रिया को सरल और तेज बनाने की भी आवश्यकता है। कई बार तकनीकी कारणों और लंबी कानूनी प्रक्रियाओं के कारण मामलों में देरी होती है। यदि अदालतों में बेहतर प्रबंधन प्रणाली लागू की जाए और मामलों की नियमित मॉनिटरिंग हो, तो लंबित मामलों की संख्या कम की जा सकती है। सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला इसी दिशा में एक सकारात्मक संकेत माना जा रहा है। यह भी ध्यान देने योग्य है कि फैसलों में देरी केवल कानूनी समस्या नहीं बल्कि सामाजिक और आर्थिक समस्या भी बन जाती है। व्यापारिक मामलों में देरी से निवेश प्रभावित होता है, पारिवारिक मामलों में रिश्तों पर असर पड़ता है और आपराधिक मामलों में पीड़ित तथा आरोपी दोनों मानसिक तनाव झेलते हैं। इसलिए समयबद्ध न्याय व्यवस्था देश के समग्र विकास के लिए भी जरूरी है। अब सबसे बड़ा सवाल यही है कि क्या इस फैसले के बाद अदालतों में लंबित निर्णयों की समस्या वास्तव में कम होगी? इसका जवाब आने वाले समय में मिलेगा। लेकिन इतना निश्चित है कि सुप्रीम कोर्ट ने न्याय में देरी के खिलाफ एक मजबूत संदेश दिया है। यह फैसला न्यायपालिका को अधिक जिम्मेदार और संवेदनशील बनाने की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

यदि इन निर्देशों का सही तरीके से पालन हुआ, तो आम लोगों को न्याय पाने में राहत मिलेगी और अदालतों की कार्यप्रणाली में भी सुधार दिखाई देगा। इससे न्यायपालिका की विश्वसनीयता और मजबूत होगी। लोकतंत्र में न्याय व्यवस्था की मजबूती बेहद जरूरी होती है और सुप्रीम कोर्ट का यह फैसला उसी दिशा में एक ऐतिहासिक पहल के रूप में देखा जा रहा है।

विचार बिन्दु

लिफ्ट सुरक्षा नियमों पर अमल करना अब जरूरी

राम किशन शर्मा

देश में तेजी से बढ़ते शहरीकरण और बहुमंजिला इमारतों के दौर में लिफ्ट अब विलासिता नहीं, बल्कि दैनिक आवश्यकता बन चुकी है। अस्पतालों, शॉपिंग मॉल, सरकारी दफ्तरों, अपार्टमेंट्स और व्यावसायिक परिसरों में हर दिन हजारों लोग लिफ्ट का उपयोग करते हैं। लेकिन दुर्भाग्य यह है कि जिस सुविधा पर लोगों की सुरक्षा और समय दोनों निर्भर करते हैं, वही कई बार जानलेवा खतरे में बदलती दिखाई दे रही है। छत्तीसगढ़ की राजधानी रायपुर में बीते कुछ दिनों के भीतर लिफ्ट में लोगों के फंसने की लगातार घटनाओं ने यह स्पष्ट कर दिया है कि नियम बनाना और उनका जमीन पर पालन करवाना, दोनों अलग–अलग बातें हैं।

छत्तीसगढ़ सरकार ने अप्रैल 2025 में लिफ्ट और एस्केलेटर सुरक्षा नियम लागू करते हुए पंजीकरण, निरीक्षण और नवीनीकरण को अनिवार्य बनाया था। इसका उद्देश्य साफ था कि तकनीकी खामियों के कारण किसी प्रकार की दुर्घटना न हो और लोगों की जान सुरक्षित रहे। लेकिन एक वर्ष से अधिक समय बीत जाने के बाद भी हालात में कोई बड़ा सुधार दिखाई नहीं देता। रायपुर में पिछले 20–25 दिनों में चार अलग–अलग घटनाओं में लोग लिफ्ट में फंसे। इनमें महिला आईएएस अधिकारी, राजनेता और आम नागरिक तक शामिल रहे। इससे यह सवाल उठना स्वाभाविक है कि आखिर सुरक्षा नियमों का पालन कौन करवा रहा है और उनकी निगरानी किस स्तर पर हो रही है? सबसे चिंताजनक बात यह है कि हर घटना के बाद केवल जांच समिति बनाने और दिशा–निर्देश जारी करने तक ही कार्रवाई सीमित रह जाती है। हाल ही में रायपुर कलेक्टर ने नगर निगम, पुलिस, सीएसपीडीसीएल, टाउन एंड कंट्री प्लानिंग और होमगार्ड की संयुक्त टीम बनाकर निरीक्षण के निर्देश दिए हैं। यह कदम स्वागत योग्य जरूर है, लेकिन यदि यह केवल औपचारिकता बनकर रह गया, तो इसका कोई वास्तविक लाभ नहीं होगा। सवाल यह भी है कि जब नियम एक साल पहले लागू हो चुके थे, तब तक निरीक्षण अभियान प्रभावी रूप से क्यों नहीं चलाया गया? क्या संबंधित विभाग किसी बड़ी दुर्घटना का इंतजार कर रहे थे?

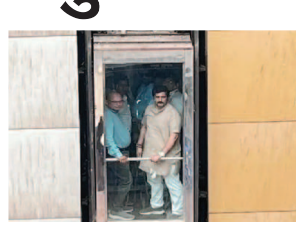

दरअसल, हमारे यहां अक्सर किसी हादसे के बाद ही प्रशासन सक्रिय होता है। जब तक कोई गंभीर दुर्घटना न हो जाए, तब तक सुरक्षा मानकों की अनदेखी होती रहती है। यही मानसिकता सबसे बड़ा संकट है। लिफ्ट जैसे तकनीकी उपकरणों की नियमित जांच और रखरखाव अत्यंत आवश्यक है। समय–समय पर उनके ब्रेक सिस्टम, बिजली बैकअप, इमरजेंसी अलार्म, ऑटोमैटिक लॉकिंग और कंट्रोल सिस्टम की जांच होनी चाहिए। लेकिन कई भवनों में लागत बचाने के लिए रखरखाव को नजरअंदाज किया जाता है। कई बार वर्षों तक लिफ्ट की तकनीकी जांच नहीं होती और खराब उपकरणों के सहारे ही लोग यात्रा करते रहते हैं।

यह भी देखने में आता है कि कई आवासीय और व्यावसायिक भवनों में लिफ्ट संचालन का जिम्मा ऐसे कर्मचारियों के हाथों में होता है, जिन्हें तकनीकी जानकारी तक नहीं होती। इमरजेंसी की स्थिति में क्या करना चाहिए, इसका प्रशिक्षण भी अधिकांश जगहों पर नहीं दिया जाता। यही कारण है कि लिफ्ट रुकने या खराब होने पर लोग घबरा जाते हैं और स्थिति गंभीर हो जाती है। कई मामलों में ऑक्सीजन की कमी, घबराहट और दम घुटने जैसी स्थितियां भी सामने आई हैं।

सरकार को यह समझना होगा कि सुरक्षा नियम केवल कागजों तक सीमित रहने के लिए नहीं बनाए जाते। यदि किसी भवन में बिना पंजीकरण या बिना निरीक्षण के लिफ्ट संचालित हो रही है, तो उसके खिलाफ कठोर कार्रवाई होनी चाहिए। भवन स्वामियों पर आर्थिक दंड लगाने के साथ–साथ लापरवाही साबित होने पर आपराधिक कार्रवाई का प्रावधान भी सख्ती से लागू होना चाहिए। केवल चेतावनी देकर या नोटिस जारी करके लोगों की जान सुरक्षित नहीं की जा सकती।

साथ ही, निरीक्षण प्रक्रिया को पूरी तरह पारदर्शी और डिजिटल बनाया जाना चाहिए। हर लिफ्ट पर उसका पंजीकरण नंबर, अंतिम निरीक्षण की तारीख और अगली जांच की तिथि स्पष्ट रूप से प्रदर्शित होनी चाहिए। जिस प्रकार वाहनों की फिटनेस जांच अनिवार्य होती है, उसी तरह लिफ्टों की तकनीकी फिटनेस भी समय–समय पर सुनिश्चित की जानी चाहिए। यदि किसी भवन में निरीक्षण प्रमाणपत्र नहीं है, तो वहां की लिफ्ट तत्काल बंद कर दी जानी चाहिए। इसके अलावा आम लोगों में भी जागरूकता बढ़ाने की आवश्यकता है। कई बार लोग क्षमता से अधिक संख्या में लिफ्ट का उपयोग करते हैं या तकनीकी खराबी के संकेतों को नजरअंदाज कर देते हैं। बच्चों द्वारा लिफ्ट के साथ शरारत करना, बिजली जाने पर जबरन दरवाजा खोलने की कोशिश करना या चेतावनी संकेतों की अनदेखी करना भी दुर्घटनाओं को बढ़ावा देता है। इसलिए सुरक्षा केवल प्रशासन की जिम्मेदारी नहीं, बल्कि नागरिकों की भी साझा जिम्मेदारी है।

तकनीकी विकास के इस दौर में आधुनिक लिफ्ट सिस्टम में कई उन्नत सुरक्षा सुविधाएं मौजूद हैं। स्मार्ट सेंसर, ऑटो रेस्क्यू डिवाइस, बैकअप पावर और रियल टाइम मॉनिटरिंग सिस्टम दुर्घटनाओं को काफी हद तक रोक सकते हैं। लेकिन इन सुविधाओं का उपयोग तभी संभव है, जब भवन मालिक सुरक्षा पर खर्च करने को तैयार हों और प्रशासन नियमों के पालन को लेकर गंभीर हो। रायपुर में लगातार हो रही घटनाएं केवल एक शहर की समस्या नहीं, बल्कि पूरे देश के शहरी ढांचे की कमजोरी को उजागर करती हैं। बहुमंजिला इमारतों की संख्या तेजी से बढ़ रही है, लेकिन सुरक्षा व्यवस्था उसी गति से मजबूत नहीं हो रही। यदि समय रहते कठोर कदम नहीं उठाए गए, तो भविष्य में कोई बड़ा हादसा भी हो सकता है। सरकार को चाहिए कि वह लिफ्ट सुरक्षा नियमों को प्रभावी ढंग से लागू करने के लिए विशेष अभियान चलाए। नियमित निरीक्षण, ऑनलाइन निगरानी, दोषियों पर कठोर कार्रवाई और जनजागरूकता–इन चार स्तंभों पर ही सुरक्षित व्यवस्था खड़ी हो सकती है। लोगों की जान की कीमत किसी भी सुविधा या लागत से कहीं अधिक है। इसलिए अब केवल दिशा–निर्देश जारी करने का नहीं, बल्कि सख्त अमल और जवाबदेही तय करने का समय आ गया है।

खराब प्रदर्शन के बाद बढ़ी मुश्किलें

आईपीएल में मुंबई इंडियंस में हार्दिक की कप्तानी पर संकट

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 मुंबई इंडियंस के लिए बेहद निराशाजनक रहा। पांच बार की चैंपियन टीम इस बार पॉइंट्स टेबल में 9 वें स्थान पर रही। टीम के खराब प्रदर्शन के बाद अब ऐसी खबरें सामने आ रही हैं कि हार्दिक पंड्या से कप्तानी छीनी जा सकती है। रिपोर्ट्स के मुताबिक फ्रेंचाइजी के अंदर नए कप्तान को लेकर चर्चा भी शुरू हो चुकी है। सिर्फ टीम की हार ही नहीं, बल्कि कई दूसरी वजहें भी हार्दिक की मुश्किलें बढ़ा रही हैं। सबसे बड़ी वजह मुंबई इंडियंस का खराब प्रदर्शन रहा। टीम ने लीग स्टेज में 14 में से 10 मुकाबले गंवा दिए। इनमें से ज्यादातर हार हार्दिक पंड्या की कप्तानी में आईं। सीजन शुरू होने से पहले मुंबई को खिताब का मजबूत दावेदार माना जा रहा था, लेकिन टीम उम्मीदों पर खरी नहीं उतर सकी। लगातार हार ने टीम मैनेजमेंट और फैंस दोनों को निराश किया। हार्दिक पंड्या का व्यक्तिगत प्रदर्शन भी बेहद साधारण रहा। एक ऑलराउंडर के तौर पर उनसे बड़ी उम्मीदें थीं, लेकिन बल्ले और गेंद दोनों से उनका असर फीका दिखा। उन्होंने 10 मैचों में सिर्फ 206 रन बनाए, जबकि गेंदबाजी में केवल 4 विकेट ही ले सके। कप्तान के तौर पर भी उनका आत्मविश्वास कई मुकाबलों में कमजोर नजर आया। मैदान पर उनकी रणनीतियों पर भी सवाल उठे। रिपोर्ट्स में यह दावा भी किया गया कि टीम के कुछ सीनियर खिलाड़ी हार्दिक की कप्तानी शैली से खुश नहीं थे। हालांकि फ्रेंचाइजी की ओर से इस पर कोई आधिकारिक बयान नहीं आया, लेकिन लगातार उठ रही खबरों ने माहौल जरूर गर्म कर दिया है। माना जा रहा है कि ड्रेसिंग रूम का माहौल भी टीम के प्रदर्शन पर असर डाल रहा था। हार्दिक की फिटनेस भी एक बड़ी चिंता बनी हुई है। बैक इंजरी के कारण वह आईपीएल 2026 में कई मुकाबले नहीं खेल पाए। कप्तान का बार-बार टीम से बाहर होना किसी भी फ्रेंचाइजी के संतुलन को बिगाड़ सकता है। मुंबई इंडियंस के साथ भी यही देखने को मिला। इन सभी कारणों से अब फ्रेंचाइजी का भरोसा हार्दिक पंड्या पर कमजोर पड़ता दिख रहा है। अगर मुंबई इंडियंस कप्तानी में बदलाव करती है तो यह आईपीएल के सबसे बड़े फैसलों में से एक हो सकता है। इतना ही नहीं, आने वाले सीजन में हार्दिक किसी दूसरी टीम की जर्सी में नजर आएं तो भी हैरानी नहीं होगी।

इंस्टाग्राम पर अचानक बदली करण जौहर की फॉलोइंग लिस्ट

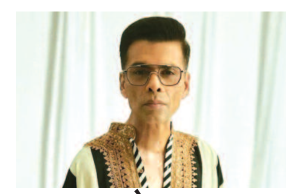

खुद सामने आकर दी सफाई

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड फिल्ममेकर करण जौहर एक बार फिर सुर्खियों में हैं। इस बार वजह उनकी कोई फिल्म नहीं, बल्कि सोशल मीडिया पर उठाया गया बड़ा कदम है। करण जौहर ने अचानक इंस्टाग्राम पर कई बड़े बॉलीवुड सितारों को अनफॉलो कर दिया है। इस लिस्ट में आलिया भट्ट, शाहरुख खान, करीना कपूर, वरुण धवन, मलाइका अरोड़ा और अनन्या पांडे जैसे नाम शामिल हैं। जैसे ही लोगों ने करण की बदली हुई फॉलोइंग लिस्ट देखी, सोशल मीडिया पर सवालों की बाढ़ आ गई। इसके बाद खुद करण जौहर ने इंस्टाग्राम स्टोरी के जरिए इसकी वजह बताई। उन्होंने कहा कि यह उनका "डिजिटल डिटॉक्स" है और वह सोशल मीडिया पर खर्च होने वाले समय और एनर्जी को कम करना चाहते हैं। करण ने अपनी स्टोरी में लिखा कि इसे नेशनल न्यूज बनाने की जरूरत नहीं है और लोग इसे लेकर ज्यादा क्लिकबेट न करें। हालांकि, उन्होंने कई सितारों को अनफॉलो किया है, लेकिन प्रियंका चोपड़ा अब भी उनकी फॉलोइंग लिस्ट में शामिल हैं। फिलहाल करण जौहर इंस्टाग्राम पर सिर्फ 74 लोगों को फॉलो कर रहे हैं। इसमें धर्मा प्रोडक्शंस के सीईओ अपूर्व मेहता और बिजनेस एसोसिएट अदार पूनावाला जैसे करीबी लोग शामिल हैं। करण जौहर पहले भी सोशल मीडिया पर मिलने वाली नेगेटिविटी को लेकर खुलकर बात कर चुके हैं। उनका कहना है कि ऑनलाइन ट्रोलिंग और निजी टिप्पणियों ने उन्हें मानसिक रूप से काफी प्रभावित किया था।

सलमान खान की 'मातृभूमि' का पहला रिव्यू आया सामने

फिल्म मेकर्स बोले- ये फिल्म जरूर देखना

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड सुपरस्टार सलमान खान की मोस्ट अवेटेड फिल्म 'मातृभूमि' को लेकर बड़ा अपडेट सामने आया है। फिल्म अभी रिलीज नहीं हुई है, लेकिन इसका पहला रिव्यू जरूर सामने आ गया है। खास बात यह है कि यह रिव्यू किसी आम दर्शक ने नहीं, बल्कि बॉलीवुड के दिग्गज फिल्ममेकर्स ने दिया है। दरअसल, फिल्ममेकर सुभाष घई ने हाल ही में फिल्म 'मातृभूमि' का रफ कट देखा। इस दौरान उनके साथ डेविड धवन, कबीर खान और फिल्म के डायरेक्टर अपूर्व लाखिया भी मौजूद थे। सुभाष घई ने सोशल मीडिया पर तस्वीर शेयर करते हुए फिल्म की जमकर तारीफ की। उन्होंने लिखा कि यह फिल्म भारत-चीन सैनिकों के इमोशंस और परिवारों की भावनाओं पर आधारित एक शानदार कहानी है और इसे जरूर देखना चाहिए। इसके बाद से ही फैन्स फिल्म की रिलीज डेट जानने के लिए उत्साहित हो गए हैं। पहले इस फिल्म का नाम 'बैटल ऑफ गलवान' रखा गया था, लेकिन बाद में इसे बदलकर 'मातृभूमि' कर दिया गया। फिल्म 2020 के गलवान घाटी संघर्ष से प्रेरित बताई जा रही है। सलमान खान इसमें कर्नल संतोष बाबू का किरदार निभाते नजर आएंगे।

अगर मां साथ न देतीं तो कभी 'ड्रीमगर्ल' न बन पातीं हेमा मालिनी!

यूनिक समय, नई दिल्ली। बॉलीवुड की "ड्रीमगर्ल" हेमा मालिनी की सफलता के पीछे उनकी मां जया चक्रवर्ती का बहुत बड़ा हाथ था। जया सिर्फ एक मां नहीं, बल्कि बेटी के करियर की सबसे बड़ी ताकत थीं। उन्होंने हेमा को बचपन से ही क्लासिकल डांस की ट्रेनिंग दिलवाई और फिल्मों में आगे बढ़ने के लिए हर कदम पर साथ दिया। जया चक्रवती खुद एक कलाकार बनना चाहती थीं, लेकिन महज 13 साल की उम्र में शादी हो जाने की वजह से उनका सपना अधूरा रह गया। बाद में उन्होंने वही सपने अपनी बेटी हेमा मालिनी के जरिए पूरे किए। जया एक फिल्म प्रोड्यूसर और लेखिका भी थीं। उन्हें शास्त्रीय संगीत और कला का गहरा ज्ञान था और वह वायलिन भी बजाती थीं। हेमा मालिनी ने कई इंटरव्यू में बताया है कि उनकी मां ने ही उन्हें फिल्मों में वापसी के लिए प्रेरित किया था। फिल्म 'बागबान' में चार बड़े बेटों की मां का रोल करने को लेकर हेमा काफी हिचकिचा रही थीं, लेकिन जया ने उन्हें यह फिल्म करने के लिए मना लिया। बाद में यही फिल्म उनके करियर की बड़ी हिट साबित हुई। हालांकि, जया चक्रवती बेटी की जिंदगी को लेकर बेहद सजग थीं। रिपोर्ट्स के मुताबिक वह नहीं चाहती थीं कि हेमा मालिनी धर्मेंद्र से शादी करें, क्योंकि धर्मेंद्र पहले से शादीशुदा थे। कहा जाता है कि उन्होंने बेटी के लिए दूसरे अभिनेताओं से रिश्ता जोड़ने की भी कोशिश की थी, लेकिन आखिरकार धर्मेंद्र और हेमा की प्रेम कहानी सफल रही। हेमा मालिनी की चमकती सफलता के पीछे उनकी मां की मेहनत, संघर्ष और सपनों की बड़ी कहानी छिपी हुई है।

पंकज कपूर के जन्मदिन पर छलका सुप्रिया पाठक का प्यार

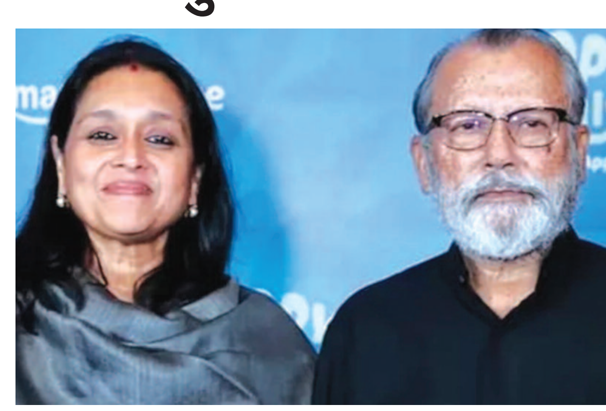

बहुओं संग दोस्त जैसा रिश्ता

यूनिक समय, नई दिल्ली। खाना बनाने के शौकीन हैं पंकज कपूर, परिवार के साथ समय बिताना ही मानते हैं सबसे बड़ी खुशी हिंदी सिनेमा के शानदार अभिनेता पंकज कपूर आज अपना जन्मदिन मना रहे हैं। इस खास मौके पर उनकी पत्नी सुप्रिया पाठक ने परिवार और रिश्तों से जुड़ी कई दिल छू लेने वाली बातें साझा कीं। सुप्रिया पाठक ने बताया कि पंकज कपूर एक बेहतरीन पिता और अच्छे ससुर हैं। उनकी अपने बच्चों और बहुओं के साथ बहुत अच्छी बॉन्डिंग है। वह अपने परिवार के साथ समय बिताना सबसे ज्यादा पसंद करते हैं। सुप्रिया ने कहा कि अगर उन्हें कोई खास तोहफा देना हो तो वह यही होगा कि पूरा परिवार उनके साथ ज्यादा वक्त बिताए।
उन्होंने यह भी बताया कि पंकज कपूर को खाना बनाने का बहुत शौक है। उन्होंने बचपन में अपनी मां से खाना बनाना सीखा था और आज भी परिवार के लिए स्वादिष्ट व्यंजन बनाना पसंद करते हैं। सुप्रिया ने कहा कि इतने सालों बाद भी उनके रिश्ते में प्यार के साथ गहरी दोस्ती बनी हुई है। दोनों एक-दूसरे से हर बात साझा करते हैं। पंकज कपूर ने थिएटर, टेलीविजन और फिल्मों में अपने शानदार अभिनय से खास पहचान बनाई है और आज भी दर्शकों के पसंदीदा कलाकारों में गिने जाते हैं।

आईपीएल फाइनल से पहले बीसीसीआई का एक और फरमान

अब खिलाड़ी क्या नहीं कर पाएंगे

यूनिक समय, नई दिल्ली। आईपीएल 2026 अब अपने आखिरी दौर में पहुंच चुका है। टूर्नामेंट में अब सिर्फ दो मुकाबले बाकी हैं और इसी बीच बीसीसीआई ने खिलाड़ियों और मैच अधिकारियों के लिए एक नया सख्त नियम लागू कर दिया है। अब मैच के दौरान कोई भी खिलाड़ी, सपोर्ट स्टाफ या अधिकारी स्मार्ट सनग्लास का इस्तेमाल नहीं कर सकेगा। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड की एंटी करप्शन यूनिट ने सभी टीमों को इस संबंध में एडवाइजरी जारी की है। इसमें कहा गया है कि कुछ कंपनियां खिलाड़ियों और सपोर्ट स्टाफ को ऐसे स्मार्ट सनग्लास दे रही थीं, जिनमें एडवांस कम्युनिकेशन फीचर्स मौजूद हैं। इन ग्लासेज के जरिए लाइव स्ट्रीमिंग, वीडियो रिकॉर्डिंग, कॉलिंग, टेक्स्ट मैसेज और इंटरनेट का इस्तेमाल किया जा सकता है। बोर्ड को आशंका है कि ऐसे डिवाइस मैच की गोपनीयता और निष्पक्षता के लिए खतरा बन सकते हैं। इसी वजह से अब खिलाड़ियों को मैच शुरू होने से पहले अपने मोबाइल फोन के साथ स्मार्ट सनग्लास भी जमा कराने होंगे। अगर कोई खिलाड़ी या अधिकारी इस नियम को तोड़ता हुआ पाया गया तो उसके खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी। बीसीसीआई का मानना है कि फाइनल जैसे बड़े मुकाबलों में किसी भी तरह की लापरवाही की गुंजाइश नहीं होनी चाहिए। इस फैसले के पीछे हाल ही में हुई एक घटना को भी अहम वजह माना जा रहा है। राजस्थान रॉयल्स के अधिकारी रोमी भिंडर एक मैच के दौरान डगआउट में फोन इस्तेमाल करते हुए कैमरे में कैद हो गए थे। इसके बाद उन पर जुर्माना लगाया गया और चेतावनी भी दी गई थी।
इसके बाद से बोर्ड तकनीकी उपकरणों को लेकर और ज्यादा सतर्क हो गया है। बीसीसीआई इससे पहले भी खिलाड़ियों की सुरक्षा और एंटी करप्शन नियमों को लेकर कई सख्त कदम उठा चुका है। खिलाड़ियों के देर रात बाहर जाने और अनजान लोगों से मिलने पर भी निगरानी बढ़ाई गई थी। अब स्मार्ट सनग्लास पर रोक लगाकर बोर्ड ने साफ संकेत दे दिया है कि आईपीएल फाइनल में किसी भी तरह की गड़बड़ी या लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

यूपी में तूफानी बारिश से तबाही, 22 लोगों की मौत

सहारनपुर में 10 गाड़ियां बहीं, दो पर्यटकों की मौत

राज्यभर में आंधी-बारिश से भारी नुकसान

चित्रकूट में आंधी-बारिश से 500 तोतों की मौत

यूनिक समय, रामपुर। उत्तर प्रदेश में तेज आंधी-तूफान और मूसलाधार बारिश ने जनजीवन को बुरी तरह प्रभावित किया है। सहारनपुर में तड़के भारी बारिश के बाद पहाड़ी से आए तेज बहाव में इनोवा और ट्रैक्टर समेत करीब 10 वाहन बह गए, जबकि 2 पर्यटकों की मौत हो गई। कई बाइकें मलबे में दब गईं और राहत-बचाव कार्य जारी है।

इसी दौरान प्रदेश के कई जिलों में मौसम ने कहर बरपाया। लखनऊ, वाराणसी, प्रयागराज, कानपुर समेत 25 से अधिक जिलों में तेज आंधी और बारिश हुई, जहां हवा की रफ्तार कई जगह 100 किमी प्रति घंटे तक पहुंच गई। कई स्थानों पर पेड़ और बिजली के पोल उखड़ गए, जबकि रेलवे ट्रैक पर तार गिरने से ट्रेनों की रफ्तार भी प्रभावित हुई। राज्य में अलग-अलग घटनाओं में अब तक 22 लोगों की मौत की पुष्टि हुई है। हमीरपुर में निर्माणाधीन पुल गिरने से 6 मजदूरों की जान गई, जबकि कौशांबी और अन्य जिलों में मकान गिरने और पेड़ गिरने से भी कई मौतें हुई हैं। सहारनपुर के मां शाकंभरी देवी क्षेत्र में मलबे के साथ तेज पानी का बहाव आने से स्थिति सबसे गंभीर रही, जहां कई वाहन और टेंट बह गए। वहीं चित्रकूट में आंधी के कारण एक बड़े पेड़ के नीचे बैठे करीब 500 तोतों की मौत हो गई। इस बीच संतकबीरनगर में सूरज के चारों ओर "हलो रिंग" जैसा दुर्लभ खगोलीय नजारा भी देखा गया, जिसे मौसम वैज्ञानिकों ने ऊपरी वायुमंडल में बर्फ के कणों से प्रकाश के परावर्तन का परिणाम बताया। इसे बारिश और तूफान का संकेत भी माना जाता है। मौसम विभाग ने पूरे राज्य के 75 जिलों में अलर्ट जारी किया है, जिनमें 12 जिलों में भारी बारिश और तेज हवाओं की चेतावनी दी गई है। मौसम विशेषज्ञों के अनुसार बंगाल की खाड़ी और अरब सागर से आई नमी तथा सक्रिय पश्चिमी विक्षोभ के कारण यह स्थिति बनी हुई है और 1 जून तक ऐसे ही मौसम की संभावना है।

निर्माणाधीन पुल गिरा, छह मजदूरों की मौत

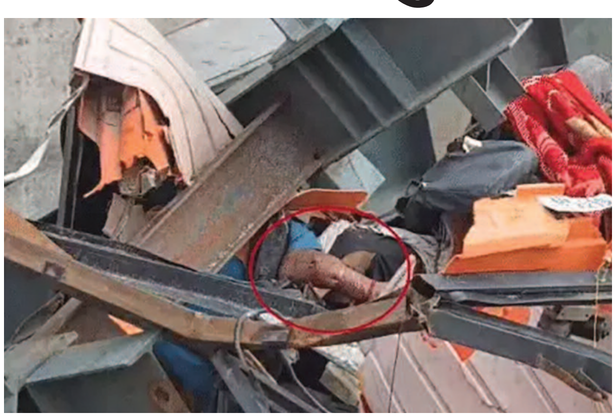

आंधी-बारिश में रात 2 बजे बड़ा हादसा

एनडीआरएफ ने 7 घंटे में रेस्क्यू पूरा किया

यूनिक समय, हमीरपुर। उत्तर प्रदेश के हमीरपुर जिले में बड़ा हादसा हो गया, जहां बेतवा नदी पर बन रहे निर्माणाधीन पुल का स्लैब अचानक गिरने से 6 मजदूरों की मौत हो गई और 3 मजदूरों को सुरक्षित बचा लिया गया। यह घटना शुक्रवार देर रात करीब 2 बजे ललपुरा इलाके में हुई, जब तेज आंधी-बारिश और तूफानी हवाओं के बीच निर्माण कार्य चल रहा था।

जानकारी के अनुसार यह पुल लगभग 90 करोड़ रुपये की लागत से 700 मीटर लंबा और दो लेन का बनाया जा रहा था। निर्माण कार्य उत्तर प्रदेश राज्य सेतु निगम की देखरेख में चल रहा था और इसका निर्माण मार्च 2024 में शुरू हुआ था, जिसे दिसंबर 2026 तक पूरा किया जाना था। घटना के समय कुछ मजदूर पुल के ऊपर काम कर रहे थे जबकि कई मजदूर नीचे आराम कर रहे थे। इसी दौरान अचानक मौसम बिगड़ गया और क्षेत्र में 70 से 80 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज आंधी चलने लगी। तेज हवा और बारिश के कारण निर्माणाधीन संरचना का स्लैब भरभराकर नीचे गिर गया और कई मजदूर मलबे में दब गए। हादसे के बाद मौके पर अफरा-तफरी मच गई। सूचना मिलते ही स्टेट डिजास्टर रिस्पॉन्स फोर्स और पुलिस टीम मौके पर पहुंची और रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया। करीब साढ़े 7 घंटे तक चले अभियान में जेसीबी और अन्य भारी मशीनों की मदद से मलबा हटाया गया। इस दौरान 3 मजदूरों को सुरक्षित बाहर निकाला गया, जबकि 6 मजदूरों की मौत की पुष्टि हुई। उत्तर प्रदेश ब्रिज कॉरपोरेशन के एमडी धर्मवीर सिंह ने बताया कि प्रारंभिक जांच में आंधी-बारिश को हादसे का कारण माना जा रहा है, क्योंकि तेज हवाओं के चलते स्लैब गिरा और नीचे सो रहे मजदूर उसकी चपेट में आ गए। उन्होंने मामले की विस्तृत जांच के आदेश दिए हैं। घटना के बाद विभागीय कार्रवाई भी शुरू कर दी गई है। सहायक अभियंता गजेंद्र कुमार चौधरी को निलंबित कर दिया गया है, जबकि डीपीएम दिलीप कुमार के खिलाफ विभागीय जांच के निर्देश दिए गए हैं। जांच के लिए एक उच्च स्तरीय समिति गठित की गई है। हादसे में बांदा और हमीरपुर के मजदूर शामिल थे। मृतकों के परिवारों में कोहराम मचा हुआ है और प्रशासन ने घायलों के इलाज तथा प्रभावित परिवारों को सहायता देने का आश्वासन दिया है।

महिला दरोगा का थाने के बाहर हंगामा, एफआईआर दर्ज

ससुर पर दुष्कर्म और पति पर हत्या के प्रयास का आरोप

दोनों पक्षों की शिकायत पर पुलिस ने केस दर्ज किया

यूनिक समय, लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में एक महिला दरोगा ने अपने ससुर पर गंभीर आरोप लगाते हुए थाने के बाहर हंगामा किया। पीड़िता का आरोप है कि ससुर ने उसके साथ दुष्कर्म किया और बाद में उसे चूहे मारने की दवा खिलाकर जान से मारने की कोशिश भी की।

मामले में महिला दरोगा ने बताया कि शादी के बाद से ही पति, ससुर, सास और ननद द्वारा उस पर जातिसूचक टिप्पणियां की जाती थीं और नौकरी छोड़ने का दबाव बनाया जाता था। वर्तमान में वह प्रयागराज में तैनात हैं और पिछले साल उनकी शादी हुई थी।

घटना के विरोध में महिला दरोगा अपने मायके पक्ष और किसान यूनियन के साथ थाने पहुंचीं और करीब दो घंटे तक प्रदर्शन किया। इस दौरान पुलिस कार्रवाई न होने पर उन्होंने नाराजगी जताई। स्थिति बिगड़ने पर पुलिस ने दोनों पक्षों की तहरीर पर एफआईआर दर्ज कर ली है। पुलिस के अनुसार, सभी आरोपों की जांच की जा रही है और साक्ष्यों के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी। वहीं ससुर पक्ष ने भी बहू पर पलटवार करते हुए मामला दर्ज कराया है। इंस्पेक्टर सुरेश सिंह ने बताया कि जांच में जो भी तथ्य सामने आएंगे, उसी आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

कन्नौज गैंगस्टर केस में बड़ा फैसला

नवाब सिंह और नीलू को आठ-आठ साल की कैद

सहयोगी पूजा तोमर को छह साल की सजा

यूनिक समय, कन्नौज। कन्नौज में गैंगस्टर एक्ट के तहत विशेष अदालत ने बड़ा फैसला सुनाते हुए पूर्व ब्लॉक प्रमुख नवाब सिंह यादव और उनके भाई वीरपाल सिंह उर्फ नीलू को 8-8 साल की कठोर कैद की सजा सुनाई है। इसके साथ ही उनकी सहयोगी पूजा तोमर को 6 साल की जेल दी गई है। तीनों पर 10-10 लाख रुपये का अर्थदंड भी लगाया गया है।

मामला कन्नौज से जुड़ा है, जहां कभी प्रभावशाली माने जाने वाले नवाब सिंह पर कई आपराधिक मामले दर्ज थे। जांच में सामने आया कि उनके खिलाफ करीब 32 मुकदमे और उनके भाई नीलू के खिलाफ 27 मामले दर्ज थे, जबकि पूजा तोमर पर भी कई केस चल रहे थे।

यह कार्रवाई एक गंभीर आपराधिक मामले के बाद शुरू हुई जांच के आधार पर की गई, जिसमें पुलिस ने गैंगस्टर एक्ट के तहत तीनों के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया था। अदालत में पेश साक्ष्य, गवाहों और पुलिस जांच रिपोर्ट के आधार पर दोष सिद्ध पाया गया।

अदालत ने कहा कि संगठित अपराध समाज के लिए गंभीर खतरा है और ऐसे मामलों में सख्त कार्रवाई जरूरी है। फैसले के बाद तीनों को अलग-अलग जेलों में भेज दिया गया है।

इस फैसले को स्थानीय स्तर पर एक बड़ी कार्रवाई माना जा रहा है, जिसने क्षेत्र में लंबे समय से सक्रिय कथित आपराधिक नेटवर्क पर रोक लगाने का संदेश दिया है।

मुरादाबाद में नियम तोड़ रहीं अफसरों की गाड़ियां

यूनिक समय, मुरादाबाद। मुरादाबाद में सरकारी और निजी वाहनों पर यातायात नियमों की खुली अनदेखी सामने आई है। शहर में की गई पड़ताल में 40 में से 30 वाहनों की नंबर प्लेटें सही स्थिति में नहीं मिलीं। इनमें कई सरकारी गाड़ियां भी शामिल थीं। जांच में कुछ वाहनों की नंबर प्लेट पर कागज चिपका मिला, जबकि कई गाड़ियों के नंबर प्रेशर हॉर्न या फीके रंग के कारण पढ़ना मुश्किल था। कुछ सरकारी वाहनों के आगे नंबर प्लेट तक नहीं लगी थी। एक मजिस्ट्रेट लिखी बोलेरो के आगे और पीछे अलग-अलग नंबर पाए गए। बाइकों में भी गड़बड़ियां सामने आईं, जहां कई नंबर प्लेट अधूरी या टूटी मिलीं। जबकि नियमों के अनुसार सभी वाहनों पर हाई सिक्योरिटी रजिस्ट्रेशन प्लेट लगाना अनिवार्य है। यातायात पुलिस का कहना है कि गलत नंबर प्लेट लगाने वालों के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है और अभियान लगातार जारी रहेगा।

अब्दुल्ला आजम को दो पासपोर्ट केस में राहत

सेशन कोर्ट ने बरी किया जमानत भी मंजूर

दो पैन कार्ड केस में फिलहाल जेल में रहेंगे

यूनिक समय, रामपुर। रामपुर में दो पासपोर्ट मामले में समाजवादी पार्टी नेता अब्दुल्ला आजम को बड़ी राहत मिली है। सेशन कोर्ट ने निचली अदालत के उस फैसले को रद्द कर दिया जिसमें उन्हें सात साल की सजा सुनाई गई थी। कोर्ट ने सुनवाई के बाद उन्हें इस मामले में बरी कर दिया और जमानत भी मंजूर कर ली।

यह मामला वर्ष 2019 का है, जिसमें विधायक आकाश सक्सेना ने आरोप लगाया था कि अब्दुल्ला आजम ने दो अलग-अलग पासपोर्ट बनवाए थे। जांच के बाद मामला एमपी-एमएलए कोर्ट में चला, जहां दिसंबर 2025 में उन्हें दोषी ठहराते हुए सजा सुनाई गई थी। अब सेशन कोर्ट ने अपील स्वीकार करते हुए यह फैसला पलट दिया है। हालांकि, वे फिलहाल जेल से बाहर नहीं आ सकेंगे क्योंकि दो पैन कार्ड मामले में पहले से मिली सजा अभी भी प्रभावी है। इस कारण वह रामपुर जेल में ही रहेंगे।

अदालत के इस फैसले के बाद उनके अधिवक्ता ने कहा कि उन्होंने अपील में मजबूत साक्ष्य प्रस्तुत किए थे और उन्हें न्यायपालिका पर भरोसा है। मामले की अगली कानूनी प्रक्रिया आगे जारी रहेगी।

पिंपरी चिंचवड़ में जहरीली शराब से सात लोगों की मौत

यूनिक समय, नई दिल्ली। महाराष्ट्र के पिंपरी चिंचवड़ से जहरीली शराब का बड़ा मामला सामने आया है। जहरीली शराब पीने से अब तक सात लोगों की मौत हो चुकी है, जबकि तीन अन्य लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा है। पुलिस ने घटना की पुष्टि करते हुए बताया कि मामले की जांच तेजी से की जा रही है। इस घटना के बाद इलाके में हड़कंप मच गया है और पुलिस की शुरुआती जांच पर भी सवाल उठ रहे हैं।

जानकारी के अनुसार पहले इन मौतों को सामान्य बताया जा रहा था, लेकिन बाद में जांच में जहरीली शराब पीने का मामला सामने आया। फिलहाल पुलिस उपायुक्त संदीप आटोले ने सात लोगों की मौत की पुष्टि की है। इस मामले में अब तक आठ आरोपियों को गिरफ्तार किया जा चुका है। पुलिस का कहना है कि अवैध शराब के पूरे नेटवर्क की जांच की जा रही है और इसमें शामिल अन्य लोगों की तलाश भी जारी है। महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री देवेंद्र फडणवीस ने घटना को बेहद दुर्भाग्यपूर्ण बताते हुए सख्त कार्रवाई के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा कि दोषियों को किसी भी हालत में बख्शा नहीं जाएगा। मुख्यमंत्री ने पुणे और पिंपरी चिंचवड़ पुलिस आयुक्तों को संयुक्त रूप से जांच करने और संबंधित ठिकानों पर छापेमारी के निर्देश दिए हैं। मुख्यमंत्री ने यह भी कहा कि पुलिस अवैध शराब के पूरे इकोसिस्टम की जांच कर रही है। यह पता लगाने की कोशिश की जा रही है कि जहरीली

पुलिस ने मामले में आठ आरोपियों को पकड़ा

मुख्यमंत्री फडणवीस ने सख्त जांच के दिए आदेश

शराब कहां तैयार हुई और इसका नेटवर्क कितनी दूर तक फैला हुआ है। मामले की जांच में आबकारी विभाग भी सक्रिय रूप से जुटा हुआ है।

पुलिस अधिकारियों के अनुसार गिरफ्तार आरोपियों पर सख्त धाराएं लगाई गई हैं। प्रशासन अब अवैध शराब कारोबार पर बड़ी कार्रवाई की तैयारी में है ताकि भविष्य में ऐसी घटनाओं को रोका जा सके। घटना के बाद क्षेत्र में लोगों के बीच डर और नाराजगी का माहौल बना हुआ है।

सिद्धारमैया के इस्तीफे पर डीके शिवकुमार बोले

कांग्रेस नेता ने सिद्धारमैया की जमकर की सराहना

कर्नाटक राजनीति में बताया सबसे प्रभावशाली मुख्यमंत्री

यूनिक समय, नई दिल्ली। कर्नाटक की राजनीति में बड़ा बदलाव देखने को मिला है। मुख्यमंत्री पद से सिद्धारमैया के इस्तीफे के बाद अब डीके शिवकुमार के राज्य के अगले मुख्यमंत्री बनने की चर्चा तेज हो गई है। इस बीच कर्नाटक कांग्रेस अध्यक्ष और उपमुख्यमंत्री डीके शिवकुमार ने सिद्धारमैया की खुलकर तारीफ की है और उन्हें जनता के दिलों में बसने वाला नेता बताया है।

डीके शिवकुमार ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट करते हुए लिखा कि ईश्वर न तो वरदान देता है और न ही अभिशाप, बल्कि केवल अवसर देता है। उन्होंने कहा कि सिद्धारमैया इसका सबसे बड़ा उदाहरण हैं। मैसूर जिले के एक साधारण गांव से निकलकर उन्होंने संघर्ष के दम पर राजनीति में अपनी अलग पहचान बनाई और सामाजिक न्याय के बड़े नेता बने।

शिवकुमार ने सिद्धारमैया को कर्नाटक के सबसे सफल, प्रभावशाली और लंबे समय तक सेवा देने वाले मुख्यमंत्रियों में शामिल बताया। उन्होंने कहा कि राज्य के विकास, जनहित योजनाओं और गरीबों के कल्याण में उनका योगदान हमेशा याद रखा जाएगा। उनके करीब पचास वर्षों के राजनीतिक अनुभव और सामाजिक सरोकारों को भी शिवकुमार ने सराहा।

डीके शिवकुमार ने यह भी कहा कि जब से वे कर्नाटक प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष बने, तब से सिद्धारमैया ने हर कदम पर उनका साथ दिया। उन्होंने कहा कि उपमुख्यमंत्री और मंत्री के रूप में काम करते हुए उन्हें सिद्धारमैया का मार्गदर्शन मिला, जिसे वे अपना सौभाग्य मानते हैं।

राजनीतिक सूत्रों के अनुसार सिद्धारमैया और डीके शिवकुमार दोनों दिल्ली पहुंच चुके हैं, जहां उनकी राहुल गांधी से अलग-अलग मुलाकात होने वाली है। माना जा रहा है कि सरकार गठन और नए मंत्रिमंडल को लेकर महत्वपूर्ण चर्चा की जाएगी।

पंजाब निकाय चुनाव में आप की बड़ी बढ़त

573 उम्मीदवार विजयी घोषित

कांग्रेस, बीजेपी और एसएडी पीछे

यूनिक समय, नई दिल्ली। पंजाब के स्थानीय निकाय चुनावों की मतगणना जारी है और शुरुआती रुझानों में सत्ताधारी पार्टी आम आदमी पार्टी बड़ी जीत की ओर बढ़ती दिख रही है। अब तक जारी परिणामों में पार्टी के 573 उम्मीदवार विजयी घोषित हो चुके हैं, जिससे राज्य की राजनीति में उसकी स्थिति और मजबूत होती नजर आ रही है।

वहीं विपक्षी दलों में भारतीय जनता पार्टी, कांग्रेस और शिरोमणि अकाली दल को कई जगहों पर कड़ी चुनौती का सामना करना पड़ रहा है। कुल 104 नगर निकायों में हुए इन चुनावों में नगर निगम, नगर परिषद और नगर पंचायत शामिल हैं। लगभग 64 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया, जो जनता की सक्रिय भागीदारी को दर्शाता है।

मतगणना 115 केंद्रों पर कड़ी सुरक्षा के बीच हो रही है, जहां सीसीटीवी निगरानी और भारी पुलिस बल तैनात है।

प्रत्येक केंद्र पर निर्धारित टेबलों पर अधिकारियों की देखरेख में गिनती की प्रक्रिया चल रही है। प्रशासन ने बताया कि मतगणना शांतिपूर्ण ढंग से आगे बढ़ रही है और अंतिम परिणाम जल्द घोषित किए जाएंगे।

बंगाल में अवैध घुसपैठियों पर बड़ी कार्रवाई, 335 लोग हिरासत में

11 होल्डिंग सेंटर बनाए गए, प्रशासन अलर्ट मोड पर

डिटेक्ट-डिलीट-डिपोर्ट नीति के तहत जांच तेज

यूनिक समय, नई दिल्ली। पश्चिम बंगाल में अवैध घुसपैठियों की पहचान के लिए राज्य सरकार ने "डिटेक्ट, डिलीट और डिपोर्ट" नीति के तहत बड़ा अभियान शुरू किया है। इसके तहत पूरे राज्य में 11 होल्डिंग सेंटर बनाए गए हैं, जहां फिलहाल 335 संदिग्ध लोगों को रखा गया है। इनमें बांग्लादेशी और रोहिंग्या नागरिक होने की आशंका जताई जा रही है।

ये कार्रवाई विभिन्न पुलिस और प्रशासनिक जिलों जैसे बसीरहाट, बरुईपुर, सुंदरबन, बोंगांव, बरासत, मुर्शिदाबाद, जंगीपुर, कृष्णानगर, मालदा, कूचबिहार और दक्षिण दिनाजपुर में चल रही है। उत्तर 24 परगना का बसीरहाट क्षेत्र सबसे अधिक प्रभावित बताया जा रहा है, जो बांग्लादेश सीमा से सटा हुआ है।

सरकारी आंकड़ों के अनुसार, हिरासत में लिए गए 335 लोगों में 148 पुरुष, 99 महिलाएं और 88 बच्चे शामिल हैं। सभी की पहचान और दस्तावेजों की जांच की जा रही है।

मालदा जिले में पहला होल्डिंग सेंटर स्थापित किया गया है, जहां संदिग्ध लोगों को सीसीटीवी निगरानी में रखा गया है। पुलिस, सिविल डिफेंस और प्रशासनिक टीमें 24 घंटे निगरानी कर रही हैं।

प्रशासन ने कहा है कि जांच पूरी होने के बाद कानूनी प्रक्रिया के तहत आगे की कार्रवाई की जाएगी और योग्य पाए जाने पर निर्वासन (डिपोर्ट) की प्रक्रिया अपनाई जाएगी। राज्य में सीमा सुरक्षा और दस्तावेज सत्यापन को लेकर सतर्कता बढ़ा दी गई है।

ट्विशा शर्मा मौत मामला

पति और सास को पांच दिन की सीबीआई रिमांड

कोर्ट ने जांच एजेंसी को दी बड़ी राहत

डिजिटल साक्ष्यों की हो रही गहन जांच

यूनिक समय, नई दिल्ली। मध्य प्रदेश की राजधानी भोपाल में ट्विशा शर्मा मौत मामले में अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया है। कोर्ट ने केंद्रीय जांच ब्यूरो को आरोपी पति समर्थ और सास गिरिबाला सिंह की पांच दिन की रिमांड प्रदान की है। इससे पहले सीबीआई ने गिरिबाला सिंह को 6 घंटे की पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया था, जबकि पति समर्थ पहले से ही रिमांड पर था, जिसे अब बढ़ा दिया गया है। अब दोनों आरोपी 2 जून तक सीबीआई की हिरासत में रहेंगे, जहां उनसे गहन पूछताछ की जाएगी। मामला भोपाल के कटारा हिल्स इलाके से जुड़ा है, जहां ट्विशा शर्मा की मौत हुई थी। जांच के दौरान सीबीआई अधिकारियों ने घटनास्थल पर 'टनल व्यू' तकनीक के तहत पूरे मामले की डिजिटल रीक्रिएशन प्रक्रिया शुरू की है। इसमें मृतका के अंतिम समय की मिनट-दर-मिनट गतिविधियों को समझने की कोशिश की जा रही है। सीबीआई टीम सीसीटीवी फुटेज, मोबाइल डेटा, कॉल डिटेल रिकॉर्ड, वाई-फाई लॉग और फॉरेंसिक मैपिंग को जोड़कर एक वर्चुअल टाइमलाइन तैयार कर रही है। इससे यह पता लगाया जाएगा कि घटना से पहले और बाद में घर के भीतर क्या गतिविधियां हुईं और किस व्यक्ति की मौजूदगी कहां थी। जांच एजेंसी यह भी जांच कर रही है कि क्या किसी डिजिटल साक्ष्य में छेड़छाड़, डिलीट या बदलाव किया गया था। इस वर्चुअल रीक्रिएशन का उद्देश्य ट्विशा की मौत से जुड़े तथ्यों को स्पष्ट करना और किसी संभावित साजिश या सबूत छिपाने की कोशिश का पता लगाना है।

एनटीए ने सुप्रीम कोर्ट में दिया हलफनामा

नीट-यूजी परीक्षा में सुधार के लिए 101 सुझाव लागू

यूनिक समय, नई दिल्ली। राष्ट्रीय परीक्षा एजेंसी ने नीट-यूजी परीक्षा में पारदर्शिता और सुरक्षा बढ़ाने के लिए बड़े सुधारों की जानकारी सुप्रीम कोर्ट में दाखिल हलफनामे के जरिए दी है। इसमें बताया गया है कि एक उच्च स्तरीय विशेषज्ञ समिति ने परीक्षा व्यवस्था में सुधार के लिए कुल 101 सुझाव दिए थे, जिन्हें चरणबद्ध तरीके से लागू किया जा रहा है।

पूर्व इसरो प्रमुख डॉ. के. राधाकृष्णन की अध्यक्षता में बनी समिति ने परीक्षा प्रक्रिया, डेटा सुरक्षा और संचालन प्रणाली को मजबूत करने की सिफारिशें दी थीं। इन सुझावों के क्रियान्वयन की निगरानी के लिए एक हाई-पावर्ड स्टीयरिंग कमेटी भी बनाई गई है। सुधारों के तहत नीट-यूजी 2025 और 2026 में राज्य स्तर की भूमिका बढ़ाई गई है। अधिकतर परीक्षा केंद्र अब सरकारी संस्थानों में बनाए जा रहे हैं और उम्मीदवारों को उनके ही जिलों में केंद्र देने पर जोर दिया जा रहा है।

परीक्षा सुरक्षा को मजबूत करने के लिए बायोमेट्रिक सत्यापन, सीसीटीवी निगरानी, मोबाइल जैमर और डेटा एनालिटिक्स जैसी तकनीकों का उपयोग किया जा रहा है। किसी भी संदिग्ध गतिविधि की पहचान के लिए एआई और मशीन लर्निंग आधारित सिस्टम भी विकसित किए जा रहे हैं।

परीक्षा प्रणाली को बनाया जा रहा अधिक सुरक्षित

इसके अलावा परीक्षा केंद्र चयन, प्रश्नपत्र सुरक्षा और परीक्षा कर्मियों के प्रशिक्षण को भी सख्त किया गया है। शिकायत निवारण के लिए हेल्पडेस्क और कॉल सेंटर सक्रिय किए गए हैं। एनटीए ने कहा है कि सुधारों की प्रक्रिया आगे भी जारी रहेगी ताकि परीक्षा प्रणाली और अधिक पारदर्शी व सुरक्षित बन सके।

आंधी-तूफान में वंदे भारत एक्सप्रेस सेवा बाधित रही

यूनिक समय, नई दिल्ली। बिहार की राजधानी पटना में तेज आंधी और बारिश के कारण रेल परिचालन प्रभावित हुआ। पटना से हावड़ा जा रही वंदे भारत एक्सप्रेस अचानक तकनीकी खराबी के कारण पटना साहिब स्टेशन पर लगभग दो घंटे तक खड़ी रही। जानकारी के अनुसार तेज हवा में उड़कर एक फ्लेक्स बैनर और कपड़ा ट्रेन के पेंटोग्राफ और ओवरहेड बिजली लाइन में फंस गया, जिससे बिजली आपूर्ति बाधित हो गई। स्थिति गंभीर होने पर लोको पायलट ने ट्रेन को सावधानीपूर्वक स्टेशन तक पहुंचाया ताकि बड़ा हादसा टल सके।

पटना साहिब स्टेशन पर रुकी ट्रेन, फ्लेक्स बैनर फंसने से हुई देरी

रेलवे तकनीकी टीम मौके पर पहुंची और मैन पावर की मदद से सीढ़ी लगाकर फंसे हुए कपड़े और बैनर को हटाया गया। इसके बाद तकनीकी जांच और मरम्मत की गई। लगभग दो घंटे बाद समस्या दूर होने पर ट्रेन को आगे रवाना कर दिया गया। इस दौरान यात्रियों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ा। रेलवे ने कहा कि खराब मौसम में सुरक्षा को प्राथमिकता दी गई।

उर्वरकों की कालाबाजारी पर सख्त हुए डीएम

किसानों को तय मात्रा में ही मिलेगा खाद : सीपी सिंह

जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की बैठक में मौजूद डीएम सीपी सिंह,सीडीओ पूजा गुप्ता,एडीएम वित्त– राजस्व पंकज कुमार वर्मा आदि अधिकारी।

यूनिक समय, मथुरा। शुक्रवार को आयेजित जिला स्तरीय उर्वरक निगरानी समिति की बैठक में डीएम सीपी सिंह ने किसानों को निर्धारित मूल्य और तय मात्रा में उर्वरक उपलब्ध कराने के लिए सख्त निर्देश दिए गए।

उन्होंने कहा कि सभी उर्वरक केंद्रों पर रेट बोर्ड, स्टॉक बोर्ड, स्टॉक रजिस्टर और बिक्री रजिस्टर अनिवार्य उपलब्ध रहें, स्टॉक वितरण रजिस्टर नियमित रूप से भरा जाए। उर्वरक बिक्री करते समय किसानों की जमीन और फसल के अनुसार ही खाद दी जाए। बैठक में जानकारी दी गई कि किसानों को प्रति हेक्टेयर अधिकतम सात बैग यूरिया और पांच बैग डीएपी ही उपलब्ध कराई जा रही है। जिला कृषि अधिकारी ने बताया कि नियमों का पूरी तरह पालन कराया जा रहा है और शिकायत मिलने पर कार्रवाई भी की जा रही है। डीएम ने साफ कहा कि पीओएस मशीन में दर्ज स्टॉक और मौके पर उपलब्ध उर्वरक में कोई अंतर नहीं होना चाहिए। उन्होंने यह भी निर्देश दिए कि उर्वरक के साथ किसी अन्य कम प्रचलित उत्पाद की जबरन टैगिंग न की जाए।

सीडीओ डा. पूजा गुप्ता ने कहा कि किसानों को हर हाल में निर्धारित मूल्य पर ही उर्वरक मिले। यदि किसी क्षेत्र में खाद की कमी हो तो उसकी

उर्वरक बिक्री में गड़बड़ी मिलने पर होगी कार्रवाई

जानकारी तुरंत समिति को दी जाए, ताकि समय पर आपूर्ति कराई जा सके। उन्होंने निगरानी समितियों को किसानों से फीडबैक लेकर रिपोर्ट प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिए। उन्होंने कहा कि बिक्री रजिस्टर में किसान का नाम, पता, मोबाइल नंबर और खतौनी का विवरण सही तरीके से दर्ज होना चाहिए। बैठक में एडीएम वित्त-राजस्व पंकज कुमार वर्मा, उप कृषि निदेशक वसंत कुमार दुबे, जिला कृषि अधिकारी आवेश कुमार सिंह,उप क्षेत्र प्रबंधक इफ्को सतबीर सिंह, एआर कोऑपरेटिव, जिला पंचायत राज अधिकारी धनंजय जायसवाल, जिला प्रबंधक पीसीएफ, विभिन्न उर्वरक प्रदाय कर्ता कंपनी के प्रतिनिधि, थोक उर्वरक विक्रेता, प्रत्येक ब्लॉक से दो–दो समितियां के सचिव और सहायक विकास अधिकारी सहित अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

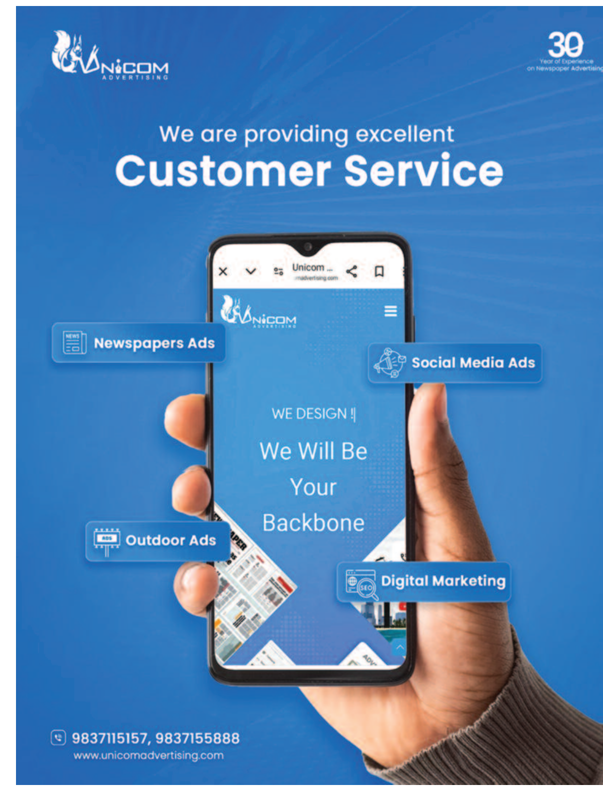

धरा चेतना फाउंडेशन ने मनाया प्रथम स्थापना दिवस

धरा चेतना फाउंडेशन के प्रथम स्थापना दिवस पर आयोजित कार्यक्रम में मुख्य अतिथि के साथ पदाधिकारी।

संवाददाता

यूनिक समय, आगरा। समाज के लिए रचनात्मक सोच और नेक इरादों को लेकर जब हम चलते हैं तो सभी का सहयोग मिलता है। इससे संस्थाएं कार्य में विस्तार पाती हुई आगे बढ़ती हैं। यह कहना था धरा चेतना फाउंडेशन के प्रथम स्थापना दिवस समारोह में बतौर मुख्य अतिथि लखनऊ से आगरा आए शेखर दीक्षित का।

मुख्य वक्ता अरुण डंग ने कहा कि धरा चेतना फाउंडेशन की सामाजिक–सांस्कृतिक क्षेत्र में सक्रियता उत्साहवर्धक है। इससे जुड़े युवा नई सोच के साथ आगे बढ़कर समाज में कुछ करने का इरादा रखते हैं,यह खुशी की बात है। विशिष्ट अतिथि उद्यमी डॉ. रंजना बंसल ने कहा कि समाज सेवा के क्षेत्र में बहुत कुछ करने की संभावनाएं हैं, वर्तमान समय की जरूरतों को ध्यान में रखकर आप सबको योजनाबद्ध तरीके से आगे बढ़ना चाहिए।

अध्यक्ष दीपाली सिंह ने कहा कि जागरूकता और अभिव्यक्ति जीवन को बदल सकती है। हम शिक्षा, मानसिक स्वास्थ्य, कला, संस्कृति और युवा सशक्तिकरण के क्षेत्रों में कार्य करते हैं। अतिथियों में डॉ. मुनीश्वर गुप्ता, दीपक प्रहलाद, राजबहादुर राज, प्रो. नीलू शर्मा, आदर्श नंदन गुप्त, श्रुति सिन्हा, कपिल सिंघल, प्रताप पब्लिक स्कूल के प्रधानाचार्य यतेंद्र सोलंकी, ओमवीर, डॉ. विनोद यादव, कवि ईशान देव, नृत्याचार्य अभिषेक निगम, आभा मेहरा, अंजना गोस्वामी, नरेंद्र कौर, पीयूष प्रभाकर, गौतम, कुमार ललित, डॉ. महेश धाकड़ थे। कार्यक्रम में फाउंडेशन के अक्षय प्रताप सिंह, गति सिंह, प्रीति सिंह, बरखा सिंह, फेलिक्स और प्रिसिला ने अहम भूमिका निभाई।

वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था लक्ष्य को लेकर बनी रणनीति

यूनिक समय, मथुरा। जनपद को आर्थिक विकास की नई दिशा देने और उत्तर प्रदेश को वन ट्रिलियन डॉलर अर्थव्यवस्था बनाने के लक्ष्य को गति प्रदान करने के लिए डीएम चंद्र प्रकाश सिंह की अध्यक्षता में जिला स्तरीय ओटीडी (वन ट्रिलियन डॉलर) सेल की बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न विभागों द्वारा किए जा रहे विकास कार्यों और योजनाओं की विस्तृत समीक्षा की गई। बैठक में तय किया गया कि ओटीडी सेल कृषि एवं औद्यानिक फसलों के उत्पादन और उत्पादकता, दुग्ध उत्पादन तथा दुग्ध प्रोसेसिंग कार्यों की नियमित निगरानी करेगा।

साथ ही औद्योगिक इकाइयों की स्थापना, भूमि आवंटन, स्वीकृति प्रक्रिया और उद्योगों के पंजीकरण की स्थिति पर भी लगातार समीक्षा की जाएगी।

डीएम ने कहा कि जनपद में राजमार्ग, विद्युत ग्रिड, लॉजिस्टिक्स हब, विशेष निवेश जोन, टाउनशिप, औद्योगिक

विकास कार्यों की होगी नियमित निगरानी

क्षेत्र और प्लेज पार्क जैसी आधारभूत सुविधाओं के निर्माण कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा कराया जाए। इसके अतिरिक्त औद्योगिक विद्युत उपभोग, सौर ऊर्जा परियोजनाओं की प्रगति और एसटीपीआई के माध्यम से सॉफ्टवेयर निर्यात की स्थिति पर भी विशेष ध्यान दिया जाएगा।

साथ ही नए होटल और रेस्टोरेंट की स्थापना, बेड क्षमता, वाणिज्यिक वाहनों के पंजीकरण तथा पी०पी०पी० मॉडल पर निर्माणाधीन बस अड्डे की प्रगति की समीक्षा भी की गई। इसके अलावा घरेलू एवं विदेशी पर्यटकों की संख्या, पर्यटन स्थलों पर विकसित की जा रही सुविधाएं, पेट्रोल, डीजल और सीएनजी की बिक्री तथा जिला अर्थव्यवस्था रिपोर्ट तैयार करने के कार्यों की भी समीक्षा की जाएगी। इस मौके पर आला अधिकारी मौजूद रहे।

वृंदावन में कम होती हरियाली यमुना में बढ़ते प्रदूषण पर चिंता

यूनिक समय, वृंदावन। इंजीनियर हरीश शर्मा ने पर्यावरणीय संकट से जूझ रहे वृंदावन पर चिंता जाहिर की है। कहा कि एक समय ऐसा था जब यहां चारों ओर घने कुंज, हरियाली और स्वच्छ वातावरण दिखाई देता था। यमुना का निर्मल जल श्रद्धालुओं को आध्यात्मिक शांति प्रदान करता था, लेकिन वर्तमान में स्थिति बिल्कुल विपरीत होती जा रही है। लगातार घटती हरियाली और बढ़ते प्रदूषण ने वृंदावन की पहचान और यहां के निवासियों के जीवन दोनों को प्रभावित किया है। उन्होंने कहा कि विशेषज्ञों के अनुसार, यदि समय रहते प्रभावी कदम नहीं उठाए गए तो आने वाले वर्षों में वृंदावन की प्राकृतिक पहचान पूरी तरह समाप्त हो सकती है। यमुना को स्वच्छ बनाने के लिए सीवेज ट्रीटमेंट प्लांटों की क्षमता बढ़ानी होगी, नालों को सीधे नदी में गिरने से रोकना होगा और प्लास्टिक उपयोग पर सख्ती से नियंत्रण करना होगा। साथ ही बड़े स्तर पर पौधारोपण और हरित क्षेत्रों के संरक्षण की दिशा में गंभीर प्रयास करने होंगे।

मगोर्रा पुलिस ने युवक को 450 ग्राम गांजा सहित किया गिरफ्तार

यूनिक समय, मथुरा। थाना मगोर्रा पुलिस ने एक युवक को 450 ग्राम गांजा के साथ गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार,करीब 1:30 बजे मुखबिर की सूचना पर पुलिस टीम ने जाजमपट्टी सर्विस रोड पर चेकिंग के दौरान जाजमपट्टी की ओर से आ रहे अभियुक्त दीपक सिंह निवासी उस्फार को गिरफ्तार किया गया। तलाशी के दौरान उसके कब्जे से 450 ग्राम ¬ गांजा बरामद हुआ। गिरफ्तारी करने वाली टीम में थानाध्यक्ष हरीश चौधरी और उपनिरीक्षक प्रदीप कुमार शामिल रहे।

रामकथा मनुष्य को कर्तव्यों का बोध कराती है: शान्तनु महाराज

यूनिक समय, मथुरा। गुरूकृपा विलास कॉलोनी में पुरुषोत्तम मास के अवसर पर आयोजित नौ दिवसीय श्रीराम कथा के दूसरे दिन श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। कथा व्यास शान्तनु महाराज ने कहा कि श्रीराम कथा मनुष्य को उसके कर्तव्यों का बोध कराती है और जीवन को आनंदमय बनाती है। कथा में भगवान शिव और माता पार्वती विवाह प्रसंग, सती चरित्र और राम नाम की महिमा का भावपूर्ण वर्णन किया गया। भजनों से पूरा पंडाल भक्तिमय हो उठा। कार्यक्रम में यजमान प्रभात अग्रवाल पीके ज्वैलर्स, मीता अग्रवाल, संजय अग्रवाल, मोहन अग्रवाल, दिनेश अग्रवाल, मनोज अग्रवाल, विपिन अग्रवाल, नवीन अग्रवाल, मनीष अग्रवाल नौहझील, मनोज मुकुट वाले, अनिल भाई ड्रेस वाले, अंजना अग्रवाल, गजानंद अग्रवाल, विनोद अग्रवाल, अनिल अग्रवाल नौहझील वाले, प्रियांशु अग्रवाल, विकास अग्रवाल और शैलेष अग्रवाल सहित सैकड़ों श्रद्धालु मौजूद रहे।

भव्य कलश यात्रा के साथ दो से भागवत कथा का शुभारंभ

यूनिक समय, मथुरा। श्री कृष्ण जन्म स्थान सेवा संस्थान के तत्वावधान में श्री कृष्ण लीला महोत्सव समिति द्वारा श्रीमद्भागवत कथा का भव्य आयोजन दो जून से होगा। आयोजन की जानकारी देते हुए संस्थान सचिव कपिल शर्मा ने बताया कि यह समिति अधिक मास में इस कथा का आयोजन भव्यता के साथ करती है। ठाकुरजी की जन्मस्थली पर ठाकुरजी की लीलाओं का वर्णन व्यास पीठ से मानमाधव गौडेश्वर वैष्णवाचार्य पुंडरीक गोस्वामी प्रतिदिन प्रातः 6:30 बजे से करेंगे। संस्थान के सदस्य गोपेश्वर नाथ चतुर्वेदी ने बताया कि कथा श्रवण के

श्रीकृष्ण जन्मस्थान में पत्रकार वार्ता में कार्यक्रम की जानकारी देते संस्थान के सचिव कपिल शर्मा, गोपेश्वर चतुर्वेदी, मुकेश खण्डेलवाल।

लिए आने वाले सभी वैष्णवजन के लिए संस्थान द्वारा अधिक से अधिक व्यवस्थाएं की जा रही हैं। समिति के अध्यक्ष मुकेश खंडेलवाल एडवोकेट ने बताया कि दो जून प्रातः 7:30 बजे श्रीनाथ पैलेस अलबेली सरकार मंदिर के सामने महाविद्या से भव्य कलश यात्रा का प्रारंभ होगा।

कलश यात्रा पोतरा कुंड होती हुई जन्म स्थान के गेट एक से प्रवेश कर कथा स्थल पहुंचेगी। कलश यात्रा में 151 महिलाएं मंगल कलश लेकर चलेंगी। साधु - संतों की बड़ी टोली मृदंग पर कीर्तन करते हुए चलेंगी। ठाकुर केशवदेव की प्रतिमा झांकी पर विराजमान होकर दर्शन देगी।

कथा प्रसंग में पांच जून को ठाकुरजी का जन्मोत्सव बहुत धूमधाम से आयोजित होगा, जबकि आठ जून को कथा का विश्राम होगा। वार्ता में राजेंद्र खंडेलवाल,गिरीश चंद सर्राफ ,महेश चंद प्रेस वाले ,मुरारी लाल गर्ग ,बिजेन्द्र खंडेलवाल,अतुल हार्डवेयर वाले ,प्रेम अग्रवाल और कथा मीडिया प्रभारी दीपक गोला उपस्थित थे।